ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

वर्ष - 06, अंक -01 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 03 सितम्बर से 09 सितम्बर (प्रत्येक गुरूवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

संक्षिप्त समाचार

सैकड़ों सांपों की जान बचाने वाले 'सर्पबंधु' की सर्पदंश से मौत

मेदिनीपुर। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में सैकड़ों सांपों की जान बचाने और लोगों को सर्पदंश के खतरे से जागरूक करने वाले 54 वर्षीय तपन सिंह की सांप के डसने से दर्दनाक मौत हो गई। मेदिनीपुर सदर प्रखंड के कुकुरमुड़ी इलाके में हुई इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय लोग तपन सिंह को सम्मानपूर्वक 'सर्पबंधु' के नाम से जानते थे। जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम कुकुरमुड़ी इलाके के एक घर में सांप घुसने की सूचना मिलने पर तपन सिंह वहां पहुंचे। उन्होंने मौके से एक सांप को सुरक्षित पकड़कर बाहर निकाल दिया। कुछ देर बाद उसी स्थान पर एक और सांप दिखाई देने की सूचना मिली। इसके बाद तपन दोबारा वहां पहुंचे। इस बार उन्होंने एक बड़े आकार के खरिश सांप को देखा।

बार डांसर गैंगरेप केस में महिला आरोपी को उम्रकैद

कूचबिहार। वर्ष 2023 के बहुचर्चित बार डांसर अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म मामले में कूचबिहार जिला अदालत ने मंगलवार देर शाम एक ऐतिहासिक और सख्त फैसला सुनाया। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (द्वितीय अदालत) मंदाकांता साहा की अदालत ने मामले में मुख्य आरोपी की मां सरला धर को अपराध में सहयोग देने व साक्ष्य मिटाने के जुर्म में 20 साल के सश्रम कारावास और सह-आरोपी राखी राय को उम्रकैद (आजीवन कारावास) की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोनों दोषियों पर कुल 1 लाख 52 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इसके अलावा, अदालत ने पीड़िता के पुनर्वास के लिए राज्य सरकार को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का स्पष्ट निर्देश दिया है। अभियोजन पक्ष (सरकारी अधिवक्ता शिवेंद्रनाथ राय) के अनुसार, घटना जनवरी 2023 की है। 17 जनवरी 2023 को नदिया जिले के रानाघाट की रहने वाली पेशेवर बार डांसर युवती को लाटागुड़ी के एक रिसॉर्ट में डांस शो का झांसा देकर सिलीगुड़ी से कार में बैठाया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने 20 साल बाद तलाक मंजूर किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने करीब दो दशक पुरानी शादी को खत्म करते हुए कहा कि लंबे समय से अलग रह रहे दंपती को केवल इस आधार पर वैवाहिक संबंध बनाए रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता कि एक पक्ष वैवाहिक जिम्मेदारियां निभाने के लिए तैयार है। न्यायालय ने कहा कि केवल बयान में वैवाहिक दायित्व निभाने की इच्छा जताना पर्याप्त नहीं है, खासकर तब जब संबंधित पक्ष का व्यवहार इसके विपरीत दिखाई देता हो। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि इस मामले में महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि पति-पत्नी लंबे समय से अलग रह रहे हैं। दोनों पक्ष 15 दिसंबर 2005 से अलग रह रहे थे। विवाह से कोई संतान भी नहीं हुई और दोनों के बीच सुलह कराने की बार-बार की गई।

एमओयू साइन करने के बाद बोले पीएम मोदी

जोरावर टैंक से बढ़ेगा भारत-बेल्जियम का रिश्ता, डील हुई पक्की

नयी दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बेल्जियम के उनके समकक्ष बार्ट डी वेवर के बीच व्यापक बातचीत के बाद भारत और बेल्जियम ने बृहस्पतिवार को व्यापार, रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों, स्वच्छ ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अपने सहयोग को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने पर सहमति जताई। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में पिछली तिमाही में भारत द्वारा 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज किए जाने का उल्लेख किया और कहा कि देश की आर्थिक प्रगति दुनिया के लिए विश्वास और नये अवसरों का स्रोत है। बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के संपन्न होने को एक बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि भारत और बेल्जियम ऐसे संबंध बना रहे हैं, जो व्यापक हैं और पहले की तुलना में कहीं अधिक रणनीतिक हैं। मोदी ने कहा, आज दुनिया उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं। भोजन, ईंधन या आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर अनिश्चितता हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा, इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी भारत की अर्थव्यवस्था ने अपनी गति बनाए रखी है। पिछली तिमाही में हमने 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की विकास गाथा दुनिया के लिए विश्वास और नये अवसरों का स्रोत बन रही है। मोदी ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया के संघर्षों का

समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से किये जाने की एक बार फिर वकालत की। उन्होंने कहा, भारत और बेल्जियम दोनों ही कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में भरोसा रखते हैं। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्षों को जल्द समाप्त करने और शांति स्थापित करने के सभी प्रयासों का समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और बेल्जियम आतंकवाद के हर रूप को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मोदी ने उच्च प्रौद्योगिकी और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों की प्राथमिकताओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, स्वच्छ ऊर्जा का भविष्य और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला हमारी साझा प्राथमिकताएं हैं। आज नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) हमारे सतत विकास संबंधी सहयोग को नयी गति देगा। उन्होंने कहा, महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में हमने प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में बेल्जियम की विशेषज्ञता और भारत की व्यापक क्षमता एक-दूसरे की पूरक हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की भारत की पहली यात्रा है, लेकिन भारत के साथ उनका जुड़ाव काफी पुराना रहा है। एंटवर्प के लंबे समय तक मेयर रहे डी वेवर ने वहां बसे बड़े भारतीय समुदाय के साथ मजबूत संबंध बनाए रखे हैं।

आतंकवाद को जड़ से खत्म करेंगे-पीएम मोदी

भारत-बेल्जियम के बीच आज कई समझौते हुए। समझौते के बाद दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने साझा प्रेस कांफ्रेंस की। प्रेस कांफ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा, रक्षा और सुरक्षा सहयोग हमारे संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ है और आतंकवाद के हर रूप को जड़ से समाप्त करना हमारी साझा प्रतिबद्धता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्षों को जल्द खत्म करने और शांति लाने की सभी कोशिशों का समर्थन करते हैं। उन्होंने वैश्विक संघर्षों पर भारत की लंबे समय से चली आ रही नीति को दोहराया। उनकी यह बात ऐसे अहम समय पर आई है जब दुनिया तीन बड़े संघर्षों का सामना कर रही है।

राघव चड्ढा का वोटर लिस्ट से नाम कटा

जब से आप छोड़ी है पार्टी बौखलाई हुई है

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी यानी आप से अलग होकर बीजेपी में शामिल होने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का वोटर लिस्ट से नाम कट गया है। पंजाब एसआईआर में बीजेपी सांसद संग ही 'खेला' हो गया और उनका नाम काट दिया गया है। चुनाव आयोग की तरफसे जारी पंजाब की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम के आगे Permanently Shifted लिखा गया है। वोटर लिस्ट से नाम कटने पर बीजेपी सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। राघव चड्ढा ने पंजाब सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। साथ ही आप

सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची उसकी प्राइवेट प्रॉपर्टी नहीं है। चड्ढा ने कहा कि जब से आप छोड़ी है, पार्टी बौखलाई हुई है। इसे महज क्लैरिकल मिस्टेक मानने से इनकार करते हुए कहा कि यह राजनीतिक बदले की कार्रवाई का साफमामला है।

छत्तीसगढ़ में बढ़े स्वाइन फ्लू के मरीज

जिला अस्पताल में बनाया गया 10 बेड का आइसोलेशन वार्ड

दुर्ग। जिले में स्वाइन फ्लू का मामला तेजी से बढ़ने लगा है। बढ़ते मरीजों को देखते हुए जिला अस्पताल दुर्ग में 10 बेड का आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है। इसके अलावा जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा सिविल अस्पताल सुपेला में भी यह सुविधा होगी। पिछले 28 दिनों में जिले कुल 17 स्वाइन फ्लू धनात्मक प्रकरण मिले है। वर्तमान में में दुर्ग जिले में कुल 9 एक्टिव मरीज है। जिनका विभिन्न

अस्पतालों में चिकित्सकीय उपचार चल रहा है जिनकी स्थिति अभी सामान्य है। ये मरीज सेक्टर 9 भिलाई, बीएम शाह, हाईटेक हॉस्पिटल व सुयश अस्पताल रायपुर में 1-1, रामकृष्ण हॉस्पिटल रायपुर में 3 मरीज का उपचार चल रहा है। वहीं 2 मरीज होम आइसोलेटेड है। 8 मरीजों को उपचार के बाद डिस्चार्ज किया गया है। जिले में स्वाइन फ्लू के संबंध में कलेक्टर के निर्देशानुसार डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग, डॉ. सीबीएस बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी, आईडीएसपी एवं भूमिका वर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एनएचएम, दुर्ग के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। जिले में नए धनात्मक प्रकरण मिलने पर लगातार कांटेक्ट ट्रेसिंग की रही है। उसकी नियमित मोनिटरिंग हो रही है।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के 152 और कोरोना के 2 केस: हेल्थ मिनिस्टर जायसवाल बोले- पैनिक होने की जरूरत नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू और कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। इसको लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का बयान सामने आया है। उनका कहना है कि पैनिक होने की जरूरत नहीं हैं। जिला अस्पताल मेकाहारा में जांच की पूरी व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्वाइन फ्लू के अब तक 152 मरीज सामने आए हैं, जिनमें 114 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 38 मरीज एक्टिव हैं। वहीं कोरोना के भी दो मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पैनिक होने की जरूरत नहीं है। कोरोना से निपटने के लिए पहले लगे डोज़ेस की वजह से शरीर में पर्याप्त इम्यून पॉवर बनी हुई है। जिला अस्पताल मेकाहारा में जांच की पूरी व्यवस्था की गई है।

अर्ली रिटायरमेंट का ऐलान

अभिनंदन की नई उड़ान...फाइटर जेट नहीं, उड़ाएंगे यात्री विमान.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय वायुसेना के पूर्व ग्रुप कैप्टन और वीर चक्र विजेता अभिनंदन वर्धमान ने इंडियन एयरफोर्स छोड़ दी है। अभिनंदन वर्धमान रिटायरमेंट लेकर प्राइवेट एयरलाइन जॉइन कर ली है। भारतीय वायुसेना के पूर्व ग्रुप कैप्टन अब गोवा की क्षेत्रीय एयरलाइन फ्लाई91 में पायलट के तौर पर काम करेंगे। मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक अभिनंदन अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन फ्लाई91 से जुड़ गए हैं। यहां वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे। करीब दो दशक एयरफोर्स में सेवा देने के बाद यह

उनके करियर की नई पारी है। फिलहाल फ्लाई91 के प्रवक्ता ने इस बारे में कोई ऑफिशियल नहीं की है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की प्राइवेट जानकारी व्यक्तिगत मामला है। एयरलाइन में उनकी भूमिका के बारे में और ज्यादा जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है। फ्लाई91 ने मार्च 2024 में उड़ानें शुरू की थीं। फिलहाल, उसके पास 6 एटीआर 72-600 विमान हैं. इसके मुख्य केंद्र गोवा और हैदराबाद में हैं। बता दें कि वीर चक्र विजेता अभिनंदन वर्धमान 2019 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध के बाद चर्चा में आए थे। अभिनंदन ने 27 फरवरी 2019 को अपने मिग-21 फाइटर जेट से एडवांस पाकिस्तानी फाइटर जेट एफ-16 को मार गिराया था। इसके बाद वे सुर्खियों में आए थे। युद्ध के दौरान उनका एमआईजी-21 भी पाकिस्तानी मिसाइल की चपेट में आ गया और उन्हें इजेक्ट होकर पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके यानी PoK में उतरना पड़ा।

दिल्ली एम्स में ऑपरेशन के लिए 13 साल इंतजार करती रही बच्ची, आखिर में दम तोड़ा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयु र्विज्ञान संस्थान में इलाज के लिए वर्षों तक इंतजार करने वाली 15 वर्षीय तन्वी की मौत हो गई। राजस्थान के कोटा की रहने वाली तन्वी दो साल की उम्र से दिल की गंभीर बीमारी से जूझ रही थी। उसके माता-पिता ने वर्ष 2012 में एम्स में उसका इलाज शुरू कराया था, लेकिन परिवार के अनुसार करीब 14 साल तक इलाज और ऑपरेशन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। मंगलवार, 1 सितंबर को दिल्ली में बच्ची ने दम तोड़ दिया। तन्वी के पिता मुकेश परियानी के अनुसार, वह पहली बार 10 अक्टूबर 2012 को अपनी बेटी को लेकर एम्स की बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में पहुंचे थे।

सीजेपी के स्कूल ठीक करो कैंपेन को लगा झटका

सुप्रीम ने सीजेपी के सरकारी स्कूलों में एंट्री पर बैन लगाया

नई दिल्ली/ एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के 'स्कूल ठीक करो' कैंपेन को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच पार्टी को झटका देते हुए सरकारी स्कूलों में एंट्री पर बैन लगाने के फैसले को रद्द करने से इनकार कर दिया है। देश के शीर्ष न्यायालय ने कहा कि सरकारी स्कूलों एंट्री से पहले इजाजत है। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, साक्षात्कार और लाइव स्ट्रीमिंग पर लगे प्रतिबंधों को चुनौती देने वाली याचिका की

सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने अनुच्छेद 32 के तहत सुनवाई से इनकार कर दिया। दरअसल कॉकरोच पार्टी ने उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्यों में सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों, पत्रकारों, यूट्यूबर्स, सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं और समाज के प्रतिनिधियों के प्रवेश और स्कूलों में फेटोग्राफी, वीडियोग्राफी, साक्षात्कार, ऑडियो रिकॉर्डिंग और लाइवस्ट्रीमिंग पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफयाचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि ये प्रतिबंध नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने मंगलवार को याचिका खारिज करते हुए कहा कि हम अनुच्छेद 32 के तहत इस याचिका पर सुनवाई करने के इच्छुक नहीं है। वकील नरेंद्र मिश्रा की इस याचिका में राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों द्वारा जारी उन सर्कुलरों को चुनौती दी गई थी।

योगी सरकार ने की भोजन से लेकर हेल्थ और पशुओं के चारे तक की व्यवस्था

उत्तरप्रदेश में बाढ़ से 17 जिले और 1.70 लाख लोग प्रभावित

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देते हुए प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ ही उनके लिए भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सुविधाएं और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था लगातार की जा रही है। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक रविवार तक प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक प्रदेश में कोई जनहानि नहीं व पशुहानि नहीं होने पाई है। योगी सरकार की निगरानी में राहत कार्य प्रभावित क्षेत्रों में लगातार जारी हैं। वर्तमान में बाढ़ से करीब 1.70 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सरकार का पूरा जोर प्रभावित आबादी को तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराने और लोगों को सुरक्षित रखने पर है। इसके लिए प्रभावित इलाकों में अब तक कुल 1,633 बाढ़ चौकियां स्थापित की जा चुकी हैं। इन चौकियों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर राहत एवं बचाव गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। बाढ़ जैसी आपदा में सबसे बड़ी जरूरत प्रभावित परिवारों तक भोजन पहुंचाने की है। योगी सरकार ने इस मोर्चे पर भी व्यापक इंतजाम किए हैं। रविवार की स्थिति के मुताबिक 2,024 बाढ़ राहत खाद्यान्न पैकेट और 10,784 लंच पैकेट वितरित किए गए हैं। अब तक कुल 55,572 खाद्यान्न पैकेट और 3.02 लाख लंच पैकेट प्रभावित लोगों तक पहुंचाए जा चुके हैं। इससे

राहत शिविरों और प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों को भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है। प्रशासन द्वारा जरूरत के अनुसार राहत सामग्री का वितरण लगातार किया जा रहा है, ताकि बाढ़ के कारण रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होने के बावजूद लोगों को भोजन के लिए परेशान न होना पड़े। राहत कार्यों के साथ सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को भी प्राथमिकता दी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में 200 मेडिकल टीमें गठित की गई हैं। इसके अलावा स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 5,432 क्लोरीन टैबलेट तथा 5,441 ओआरएस पैकेट वितरित किए गए हैं। बाढ़ के दौरान दूषित पानी और संक्रमण से होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में मेडिकल टीमों की तैनाती और क्लोरीन टैबलेट तथा ओआरएस के वितरण से प्रभावित आबादी को तत्काल स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। बाढ़ के कारण जिन क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित हुआ है, वहां राहत एवं बचाव कार्य के लिए 525 नाव एवं मोटरबोट लगाए गए हैं। इनके माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक पहुंच बनाने और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। प्रशासन ने बाढ़ प्रभावितों के लिए 254 बाढ़ शरणालय स्थापित किए हैं।

बारिश से कच्चा मकान गिरा, पिता और दो बच्चों की मौत

बांदा: उत्तर प्रदेश में चित्रकूट जिले के एक गांव में बुधवार रात बारिश के दौरान एक कच्चा मकान गिर जाने से उसके मलबे में दबकर पिता और दो बच्चों की मौत हो गई जबकि महिला और एक बच्ची घायल हो गई। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। चित्रकूट के जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया कि भरतकूप थाना क्षेत्र के बराछी गांव में पहाड़ी के नीचे बना एक कच्चा मकान बुधवार रात करीब दो बजे गिर गया, जिसके मलबे में कल्लू यादव (32), उनकी पत्नी कुंता (30), उनके बच्चे अंश (पांच), अंशिका (तीन) और कल्ली (एक) दब गए। उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना मिलने पर अधिकारी घटनास्थल पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से सभी को मलबे से बाहर निकलवाया तथा इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।

मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा के Farewell Ovation में भावनाओं और तकनीक का अनूठा संगम

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का कोर्ट रूम आज सामान्य दिनों से कुछ अलग नजर आया। वातावरण में औपचारिकता से अधिक भावनाएँ थीं। अवसर था छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा के कार्यकाल के पूर्ण होने पर आयोजित Farewell Ovation का।

माननीय मुख्य न्यायाधिपति के कोर्ट रूम में आयोजित इस समारोह में उनके न्यायिक कार्यकाल, नेतृत्व और न्याय व्यवस्था में उनके योगदान को स्मरण किया गया। इस समारोह की एक खास बात यह भी रही कि विदाई सिर्फ कोर्ट रूम की चारदीवारी तक सीमित नहीं रही। कोर्ट रूम में मौजूदगी सीमित थी, लेकिन समारोह की पहुँच नहीं।

कार्यक्रम का Live Streaming के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। इसके जरिए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय और प्रदेश के न्यायिक परिवार से जुड़े लोग देश-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से इस महत्वपूर्ण अवसर से जुड़ सके।

इसी डिजिटल माध्यम से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के सभी न्यायाधीशगण तथा आम नागरिकगण भी समारोह में जुड़े और माननीय मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा के संबोधन को सीधे सुना। तकनीक के इस इस्तेमाल ने विदाई के पारंपरिक स्वरूप को एक अलग आयाम दे दिया। एक ओर बिलासपुर का कोर्ट रूम था, जहां समारोह प्रत्यक्ष रूप से हो रहा था, वहीं दूसरी ओर स्क्रीन के माध्यम से अनेक न्यायिक अधिकारी तथा आम नागरिकगण उसी क्षण इस आयोजन के

सहभागी बने हुए थे।

एक कार्यकाल, जिसने कई बदलावों को देखा : श्री रमेश सिन्हा के कार्यकाल के दौरान छत्तीसगढ़ की न्यायिक व्यवस्था में तकनीक, न्यायिक अधोसंरचना, न्याय तक पहुँच और प्रशासनिक दक्षता जैसे विषय लगातार चर्चा के केंद्र में रहे। न्यायिक संस्थाओं को बदलते समय के अनुरूप अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में हुए प्रयासों ने न्याय व्यवस्था को केवल पारंपरिक अदालतों तक सीमित रखने के बजाय उसे तकनीक और व्यापक जनसरोकारों से जोड़ने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

कुछ विदाइयाँ खत्म नहीं होतीं- 03 सितंबर 2026 का यह Farewell Ovation केवल एक कार्यकाल के पूर्ण होने का अवसर नहीं रहा। यह उस यात्रा को पीछे मुड़कर देखने का क्षण भी था, जिसमें न्यायिक दायित्व, संस्थागत नेतृत्व और बदलती तकनीकी दुनिया साथ-साथ चलती दिखाई दी।

बिलासपुर के कोर्ट रूम में शुरू हुई यह विदाई Live Streaming के जरिए दुर्ग समेत अनेक स्थानों तक पहुँची और न्यायिक परिवार के अनेक सदस्यों को एक साझा क्षण का हिस्सा बना गई।

क्योंकि कुछ विदाइयाँ किसी एक स्थान पर नहीं होतीं वे उन सभी लोगों की स्मृतियों में दर्ज होती हैं, जो उस यात्रा के किसी न किसी पड़ाव पर उसके साथ रहे होते हैं। और शायद इसी वजह से 03 सितंबर की यह विदाई केवल एक समारोह नहीं, बल्कि एक न्यायिक यात्रा के महत्वपूर्ण अध्याय का डिजिटल और भावनात्मक दस्तावेज बन गई।

बिना बताए 11 दिन से गायब स्वास्थ्य पर्यवेक्षक निलंबित, संभागीय संयुक्त संचालक की बड़ी कार्रवाई

सूरजपुर/अंबिकापुर। स्वास्थ्य विभाग में कार्य के प्रति लापरवाही और बिना पूर्व सूचना के लगातार अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में सरगुजा संभाग के संभागीय संयुक्त संचालक (स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सूरजपुर जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उमेश्वरपुर में पदस्थ पुरुष स्वास्थ्य पर्यवेक्षक देवेन्द्रनाथ दुबे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।15 अगस्त से थे नदारदप्राप्त जानकारी के अनुसार, पुरुष पर्यवेक्षक देवेन्द्रनाथ दुबे बीते 15 अगस्त से लगातार 11 दिनों तक अपने कार्यस्थल से बिना किसी पूर्व सूचना अथवा आवेदन के अनधिकृत रूप से अनुपस्थित चल रहे थे। राष्ट्रीय

पर्व के बाद से इस तरह बिना बताए गायब रहने को विभाग ने बेहद गंभीरता से लिया है।नोटिस का भी नहीं दिया जवाबइस संबंध में बीएमओ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रेमनगर द्वारा 19 अगस्त को संबंधित कर्मचारी को 'कारण बताओ नोटिस' (शो-कॉज़ नोटिस) भी जारी किया गया था। इसके बावजूद कर्मचारी ने न तो नोटिस का कोई जवाब प्रस्तुत किया और न ही अपनी ड्यूटी पर उपस्थिति दी।सिविल सेवा नियमों के तहत कार्रवाईबीएमओ प्रेमनगर द्वारा भेजे गए प्रतिवेदन पर कड़ा संज्ञान लेते हुए संयुक्त संचालक ने इसे छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-3 का खुला उल्लंघन माना। इसके बाद छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया गया है। विभाग की इस कार्रवाई से लापरवाही बरतने वाले अन्य कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है।

सालों से एक ही टेबल पर कुंडली, नई कलेक्टर के एक्शन का इंतजार

कवर्धा। कबीरधाम जिले में सरकारी दफ्तरों की व्यवस्था पर वर्षों से जमे अधिकारी-कर्मचारियों की पकड़ अब चर्चा का विषय बनती जा रही है। कलेक्टर कार्यालय से लेकर जिला पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील, वन, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई विभाग तक कई ऐसे कर्मचारी और अधिकारी बताए जा रहे हैं, जो लंबे समय से एक ही शाखा और एक ही टेबल पर जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। शासन की स्थानांतरण नीति में निर्धारित अवधि और प्रशासनिक पारदर्शिता की भावना के बीच वर्षों से एक ही जगह जमे कर्मचारियों की मौजूदगी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। नई कलेक्टर तूलिका प्रजापति के पदभार संभालने के बाद अब जिले के लोगों की नजर इस बात पर टिक गई है कि क्या वर्षों से चली आ रही यह 'टेबल संस्कृति' टूटेगी। क्या लंबे समय से एक ही शाखा में जमे बाबुओं की जिम्मेदारियां बदली जाएंगी या फिर पुरानी व्यवस्था ही नए प्रशासनिक नेतृत्व के नीचे चलती रहेगी। दरअसल, किसी कर्मचारी का लंबे समय तक एक ही शाखा में बने रहना अपने आप में अनियमितता साबित नहीं करता, लेकिन संवेदनशील शाखाओं में वर्षों तक एक ही व्यक्ति के दायित्व संभालने से पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। फाइलों की आवाजाही, विभागीय प्रक्रिया, हितग्राहियों से जुड़े काम और कार्यालयीन निर्णयों की अंदरूनी जानकारी लंबे समय तक एक ही हाथ में रहने से प्रभाव का दायरा बढ़ने की आशंका रहती है। कलेक्टर कार्यालय में ही यदि शाखावार पदस्थापना की समीक्षा हो तो कई पुराने चेहरे सामने आ सकते हैं। यही स्थिति तहसील और पंचायत कार्यालयों में भी बताई जाती है, जहां कुछ कर्मचारी वर्षों से एक ही तरह के कार्यों का संचालन कर रहे हैं। वन, परिवहन और सिंचाई जैसे विभागों में भी लंबे समय से पदस्थ कर्मचारियों के दायित्वों की समीक्षा की जरूरत महसूस की जा रही है। शासन की स्थानांतरण नीति का मूल उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में गतिशीलता, जवाबदेही और पारदर्शिता बनाए रखना है। ऐसे में तीन वर्ष या उससे अधिक समय से संवेदनशील शाखाओं में जमे कर्मचारियों की सूची तैयार कर उनके दायित्वों की समीक्षा करना प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। अब नई कलेक्टर के सामने असली परीक्षा यही है कि क्या वह 'एक ही टेबल पर वर्षों से जमे' कर्मचारियों की व्यवस्था को हिलाने का साहस दिखाएंगी। यदि शाखाओं का नियमानुसार फेरबदल होता है तो लंबे समय से बनी प्रशासनिक जड़ता टूट सकती है। वहीं यदि वही पुराने चेहरे, वही टेबल और वही शाखाएं बरकरार रहती हैं तो पारदर्शिता को लेकर उठ रहे सवाल और ज्यादा गंभीर होंगे।

खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का माध्यम : सांसद विजय बघेल

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह संपन्न

भिलाई। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह गुरुवार को कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। 31 अगस्त से 3 सितंबर 2026 तक आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समारोह के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अपने स्कूली जीवन के खेल अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि स्कूली जीवन में उन्होंने भी विभिन्न खेलों में भाग लिया और खेल मैदान से मिले अनुभव आज भी उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार एवं राज्य की साय सरकार खेलों के विकास तथा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इसी का परिणाम है कि देश के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विभिन्न मंचों पर तिरंगा लहरा रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल के

क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विशेष अतिथि दुर्ग महापौर अलका बघमार ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से बच्चों का शारीरिक, मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास भी होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से खेलों से जुड़े रहने का आह्वान किया। इससे पूर्व संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग के.वी. राव ने स्वागत भाषण दिया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों से आए खिलाड़ियों एवं दल प्रबंधकों ने सहभागिता की। समारोह में सहायक संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग के.के. शुक्ला, सहायक संचालक खेल दुर्ग संभाग कल्पना स्वामी, दल प्रबंधक दुर्ग संभाग पी.जे. सेबेस्टियन, रायपुर संभाग के पीताम्बर पटेल, सरगुजा संभाग के राजेश प्रताप सिंह, बिलासपुर संभाग के धनीराम यादव, बस्तर संभाग की साहिबा सहित विभिन्न संभागों के व्यायाम शिक्षक, ऑफिशियल्स एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

इसके अलावा विनोद नायर, अशोक कुमार रिगरी, सुधीर बंसल, अविनाश चंद्रशील, पूनम मिश्रा, आरती शुक्ला, जावेद, टुम्मन देवांगन, सुनील कुमार डडसेना, उमेश निर्मलकर, मोहित, विशाल, योगेश, सुधांशु, यीतेश, परिवेश, राजेन्द्र, सीतेश्वर, सनत, हिमाचल, हिमांशु एवं यशोदा साहू सहित बड़ी संख्या में व्यायाम शिक्षक एवं खेल अधिकारी मौजूद रहे।

विजेता खिलाड़ियों का सम्मान- समापन अवसर पर विभिन्न खेल विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं एसएनजी एवं सेजेस बालाजी नगर भिलाई के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह में आकर्षण बढ़ाया।

कार्यक्रम का संचालन ममता ध्रुव एवं नरोत्तम साहू ने किया। आभार प्रदर्शन सहायक संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग के.के. शुक्ला ने किया।

राज्य स्तरीय संस्कृत ध्येय वाक्य प्रतियोगिता में डी ए वी स्कूल की बेटियों को मिला दूसरा और तीसरा स्थान

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ संस्कृत संस्थान की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय 'संस्कृत पखवाड़ा' प्रतियोगिता में डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, जांता की दो होनहार छात्राओं ने अपनी अदभुत प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पूरे प्रदेश में विद्यालय और अंचल का नाम रोशन किया है। इस कड़े मुकाबले में कक्षा सातवीं की छात्रा लक्ष्मी साहू ने पूरे राज्य में द्वितीय (दूसरा) और दीप्ति सेन ने तृतीय (तीसरा) स्थान हासिल कर एक अभूतपूर्व कीर्तिमान रचा है।कड़ी प्रतिस्पर्धा में मारी बाजी संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने और नई पीढ़ी को इसके गौरव से जोड़ने के लिए आयोजित इस 'ध्येय वाक्य प्रतियोगिता' में प्रदेश भर के सैकड़ों स्कूलों के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। इस कड़े और राज्य स्तरीय मुकाबले में जांता स्कूल की दोनों बेटियों ने अपनी तीक्ष्ण बुद्धि और उत्कृष्ट ज्ञान के दम पर शीर्ष पायदानों पर अपना कब्जा जमाया। लक्ष्मी साहू के अद्वितीय प्रस्तुतीकरण ने उन्हें राज्य में दूसरा स्थान दिलाया, वहीं दीप्ति सेन ने अपनी बेहतरीन क्षमता का प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान सुरक्षित किया। प्राचार्य और शिक्षकों ने जताया हर्ष छात्राओं की इस ऐतिहासिक और गौरवमयी सफलता पर डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, जांता के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल ने गहरा हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने दोनों विजेता बेटियों, उनके अभिभावकों और विद्यालय के मार्गदर्शक संस्कृत शिक्षक प्रकाश भोई, व भारती भट्ट को बधाई देते हुए कहा, यह सफलता हमारी छात्राओं की कड़ी मेहनत और उनकी छिपी हुई बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण है। ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों ने राज्य स्तर पर यह मुकाम हासिल कर यह साबित कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन मिले, तो वे किसी भी मंच पर देश-प्रदेश का नाम ऊंचा कर सकती हैं। इस बड़ी उपलब्धि से स्कूल के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और पूरे क्षेत्र में भारी उत्साह का माहौल है। लक्ष्मी और दीप्ति की इस सफलता ने क्षेत्र की अन्य बालिकाओं के लिए भी प्रेरणा की नई मिसाल पेश की है।

जंगलों में रहने वाले आदिवासी हमारे भाई हैं, सभी सनातनी हिन्दू हैं पुराणों में इनकी कथा है: अविमुक्तेश्वरानंद

बेमेतरा। ग्राम सलधा जहां सवा लाख शिवलिंग का ऐतिहासिक मंदिर बन रहा है वहीं उत्तराम्नाय ज्योतिष पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज का दिव्य भव्य चातुर्मास चल रहा है। सर्व प्रथम समस्त ग्रामवासी घोठा और देवरबीजा के द्वारा पादुका पूजन किया गया। दण्डी स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज ने सलधा शिवलिंग स्थापित करने वाले भक्तों के नाम की घोषणा की। स्वामी ने विरुदावली का वाचन किया। शंकराचार्य ने कहा कि भगवान् शंकर ज्ञान के देवता हैं गुरु पद पर विराजमान हो कर ज्ञान देने उत्सुक होते हैं सिखाते सिखाते परीक्षा भी लेते हैं हमने जो पढ़ाया वो समझे कि नहीं ये जानने परीक्षा ली जाती है। परीक्षा लेने भगवान् शिव जी ने वैश्य का अवतार लिया उस समय एक वैश्या थी। वैश्यावृत्ति बहुत प्राचीन समय से चली आ रही है। वैश्या भगवान शिव जी के भक्त थीं घर में बंदर और मुर्गा रखी थी बंदर को भस्म लगाती है रुद्राक्ष माला पहनाकर भजन कीर्तन करती थी और नाचती थी। भगवान् की आज्ञा का पालन करना सच्ची भक्ति है श्रुति स्मृति शास्त्र भगवान् की आज्ञा है भक्त को शास्त्र की आज्ञा का पालन करना चाहिए। भगवान् शिव जी परीक्षा लेने के लिए आये वैश्य के रूप में हाथ में सोने का कंगन था वैश्या बोली कंगन सुंदर है सेठ जी ने कहा इसके बदले क्या दोगी वैश्या ने कहा इसके बदले 3 तीन रात तीन दिन आपकी पत्नी की तरह सेवा करुंगी संकल्प कर लिया वैश्य ने सोने का मोहर और शिवलिंग दिया कहा अच्छे से रखना और शिव जी सो गए वैश्या भी सो गई अचानक आग लग गई वैश्या ने बंदर और मुर्गा को बचाया एक धरण गिरी जिससे शिवलिंग भी जल गया सेठ जी बोले कि शिवलिंग मेरा प्राण था अब मैं जलकर मरुंगा चिता में आग लगाई और सेठ जी जल गये अंतर्धान हो गए। वैश्या सोचने लगी मैं क्या करूं तो सोंचा कि मैं 3 तीन दिन के लिए पत्नी बनी थी आज दूसरा दिन है मुझे भी सती होना चाहिए। सत्य जिनके अंदर है वो भी सती है वैश्या भी परिक्रमा करके चिता में चढ़ गई और भगवान शिव जी प्रगट हो गये बोले महानंदा तू बड़ी भक्त है तू धर्म में अटल थी बोले जो चाहे सो मांग। वैश्या ने कहा कि मुझे संसार और स्वर्ग का भोग नहीं चाहिए मुझे भक्ति चाहिए भगवान ने कहा कि दिया शिव जी ने और मांगने कहा तो बोली कि मेरा सेवकों और बंदर का कल्याण कर दो शिव जी ने सभी का कल्याण कर दिया। भगवान् की भक्ति कोई भी कर सकता है उसमें जाती, लिंग, धन, जीविका का कोई बंधन नहीं है। एक राजा नया विवाह हुआ था वो विहार करने वन गये शिव पार्वती ब्राह्मण ब्राह्मणी बन कर आये एक बाघ आया बचाओ बोला राजा कुछ करता इसके पूर्व बाघ ब्राह्मणी को ले गया तब ब्राह्मण नाराज होकर बोले कि जो क्षति से हमको बचाये वो क्षत्रिय है तुम्हारे रहते बाघ मेरी पत्नी को ले गया।

संतान के दीर्घायु के लिए माताओं ने रखा हलषष्ठी व्रत

बेमेतरा। माताएं हलषष्ठी व्रत की पूजन किया हैं सुंदर सकरी का निर्माण करके माता हलषष्ठी का स्त्रियां पुत्र की दीर्घायु होने की कामना करते हुए माता हलषष्ठी की पूजन की हलषष्ठी व्रत के दिन भगवान गौरी गणेश की पूजन किया गया भगवान शिव का पूजन किया जाता है माताएं अपने पुत्र के दीर्घायु होने की कामना करते हैं पूजन में पचहर चावल को अक्षत बनाकर पूजन किया दोपहर उपरांत पूजन की जाती है सभी माताए एक स्थान पर एकत्रित होकर के पूजन संपन्न करते हैं पूजन के पश्चात राजा को किस प्रकार यश प्राप्त हुआ ग्वालिन को किस प्रकार मरे हुए पुत्र पुनः प्राप्त हुए वैश्य पत्नी को किस प्रकार पुत्र प्राप्त हुए कमर छठ की पूजन सभी महिलाओं को अपने बालकों के दीर्घायु होने के लिए किया जाता है।

हल षष्ठी, बलभद्र की पूजा शुभ मुहूर्त और तिथि में किया गया

हल छठ भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाई जाती है। जिसे बलराम जयंती भी कहते हैं। धार्मिक मान्यता है कि हलछठ का व्रत संतान की लंबी आयु के लिए रखा जाता है। इसलिए महिलाएं इस दिन व्रत करती हैं, और संतान की लंबी आयु की कामना करती हैं। पंडित श्रीनिवास द्विवेदी द्वारा विधि विधान से पूजन कराकर हलषष्ठी का कथा सुनाया। इस दिन व्रती महिलाएं प्रातःकाल स्नान करके साफकपड़ों को पहनें। इसके बाद वे घर के आंगन में गोबर से लीप कर एक चौक बनाएं। शिव गणेश भगवान बलराम का प्रतीक एक चौकी पर रखें और हल्दी, चावल, और विभिन्न प्रकार के अनाज का प्रयोग कर सकते हैं। इस दिन हल का उपयोग नहीं किया जाता है। व्रती महिलाएं इस दिन बिना हल के निकले हुए अनाज और फलों का ही सेवन करती हैं।

हलषष्ठी पूजन व्रत का लाभ और विधि विधान

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी को 'हल षष्ठी' पर्व मनाया जाता है। धर्म शास्त्रों के अनुसार इस दिन भगवान शेषनाग द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम के रूप में धरती पर अवतरित हुए थे। बलराम जी का प्रधान शस्त्र 'हल' व 'मूसल' है। इसी कारण इन्हें 'हलधर' भी कहा गया है। उन्हीं के नाम पर इस पर्व का नाम 'हल षष्ठी' पड़ा। इसे 'हरछठ' भी कहा जाता है। हल को कृषि प्रधान भारत का प्राण तत्व माना गया है और कृषि से ही मानव जाति का कल्याण है। इसलिए इस दिन बिना हल चले धरती का अन्न व शाक, भाजी खाने का विशेष महत्व है। इस दिन गाय का दूध व दही का सेवन वर्जित माना गया है। इस दिन व्रत करने का विधान भी है। हलषष्ठी व्रत पूजन के अंत में हलषष्ठी व्रत की छः कथाओं को सुनकर आरती आदि से पूजन की प्रक्रियाओं को पूरा किया जाता है।

संतान दीर्घायु व्रत

'हल षष्ठी' के दिन भगवान शिव, पार्वती, गणेश, कार्तिकेय, नंदी और सिंह आदि की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। इस प्रकार विधिपूर्वक 'हल षष्ठी' व्रत का पूजन करने से जो संतानहीन हैं, उनको दीर्घायु और श्रेष्ठ संतान की प्राप्ति होती है। इस व्रत एवं पूजन से संतान की आयु, आरोग्य एवं ऐश्वर्य में वृद्धि होती है। विद्वानों के अनुसार सबसे पहले द्वापर युग में माता देवकी द्वारा 'कमरछठ' व्रत किया गया था, क्योंकि खुद को बचाने के लिए मथुरा का राजा कंस उनके सभी संतानों का वध करता जा रहा था। उसे देखते हुए देवर्षि नारद ने 'हल षष्ठी' का व्रत करने की सलाह माता देवकी को दी थी। उनके द्वारा किए गए व्रत के प्रभाव से ही बलदाऊ और भगवान कृष्ण कंस पर विजय प्राप्त करने में सफल हुए थे। उसके बाद से यह व्रत हर माता अपनी संतान की खुशहाली और सुख-शांति की कामना के लिए करती है। इस व्रत को करने से संतान को सुखी व सुदीर्घ जीवन प्राप्त होता है।

बलभद्र की पूजा शुभ मुहूर्त और तिथि में किया गया

हल छठ भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाई जाती है। जिसे बलराम जयंती भी कहते हैं। धार्मिक मान्यता है कि हलछठ का व्रत संतान की लंबी आयु के लिए रखा जाता है। इसलिए महिलाएं इस दिन व्रत करती हैं, और संतान की लंबी आयु की कामना करती हैं। पंडित श्रीनिवास द्विवेदी द्वारा विधि विधान से पूजन कराकर हलषष्ठी का कथा सुनाया। इस दिन व्रती महिलाएं प्रातःकाल स्नान करके साफकपड़ों को पहनें। इसके बाद वे घर के आंगन में गोबर से लीप कर एक चौक बनाएं। शिव गणेश भगवान बलराम का प्रतीक एक चौकी पर रखें और हल्दी, चावल, और विभिन्न प्रकार के अनाज का प्रयोग कर सकते हैं। इस दिन हल का उपयोग नहीं किया जाता है। व्रती महिलाएं इस दिन बिना हल के निकले हुए अनाज और फलों का ही सेवन करती हैं।

हलषष्ठी व्रत का महत्व

गंजपारा द्विवेदी निवास में हलषष्ठी व्रत का विशेष महत्व के साथ पूजन संपूर्ण हुआ इस संबंध में निवास द्विवेदी ने बताया कि इसे रखने से व्रती महिलाओं के संतान की सुरक्षा और दीर्घायु के लिए रखा जाता है। इस व्रत को करने से संतान को रोग, भय और अनिष्ट से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा, यह व्रत घर-परिवार में सुख-शांति और समृद्धि के लिए रखा जाता है। पूजन में दुर्गा नंदिनी द्विवेदी आरती द्विवेदी शीतल प्रिया शर्मा अंजू शर्मा मोहल्ले के महिलाओं ने बढ़-चढ़कर पूजन मे हिस्सा लिया। इस तरह से आप इस व्रत को सही मुहूर्त और तिथि पर कर सकते हैं। साथ ही, इसकी महत्वता को अच्छे से जान सकते हैं।

जल संरक्षण में बालोद की बड़ी उपलब्धि, देश के टॉप-10 जिलों में शामिल

2.87 लाख जल संरचनाओं का निर्माण, भूजल स्तर में करीब 6 मीटर तक सुधार; जनभागीदारी को कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने बताया सबसे बड़ी ताकत

बालोद। जल संरक्षण, जल गुणवत्ता सुधार और पानी की बचत को लेकर बालोद जिले में पिछले दो वर्षों से चलाए जा रहे अभियान ने अब राष्ट्रीय स्तर पर जिले को नई पहचान दिलाई है। जिले में जल संरक्षण के लिए किए गए व्यापक कार्यों के चलते बालोद को देश के टॉप-10 जिलों में स्थान मिला है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने इसे पूरे जिले के लिए गर्व का विषय बताते हुए इसका श्रेय जिलेवासियों की जनभागीदारी और प्रशासन की विभिन्न विभागीय टीमों के सामूहिक प्रयासों को दिया है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा पिछले दो वर्षों से लगातार वॉटर कंजर्वेशन, वॉटर क्वालिटी और वॉटर सेविंग पर विशेष फोकस किया जा रहा है। पिछले वर्ष जिले में करीब 1 लाख 6 हजार जल संरचनाओं का निर्माण कराया गया था। इन संरचनाओं के परिणामस्वरूप भूजल स्तर में लगभग एक मीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई थी। इस सफलता से उत्साहित होकर इस वर्ष जल संरक्षण के कार्यों को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया गया।

एक साल में 2.87 लाख जल संरचनाएं

कलेक्टर ने बताया कि इस वर्ष जिले में करीब 2 लाख 87 हजार जल संरचनाओं का निर्माण किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ ही वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के माध्यम से पूरे जिले में जल संरक्षण के कार्य कराए गए। इन प्रयासों के चलते बालोद को देश के टॉप-10 जिलों में शामिल होने का गौरव मिला है। प्रशासन के अनुसार इन जल संरचनाओं के माध्यम से बड़ी मात्रा में बारिश के पानी को सहेजने और भूजल रिचार्ज करने का काम किया गया है। कलेक्टर ने बताया कि इस अभियान के तहत करीब 19 लाख करोड़ लीटर पानी के संरक्षण का आकलन किया गया है। वहीं जिले के भूजल स्तर में करीब 6 मीटर तक सुधार दर्ज किया गया है।

गुरूर क्षेत्र भी रेड जोन से बाहर

जल संरक्षण के प्रयासों का असर जिले के भूजल स्तर की स्थिति पर भी दिखाई देने लगा है। कलेक्टर ने बताया कि गुरूर क्षेत्र लंबे समय से रेड जोन में शामिल था, लेकिन लगातार किए गए जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन के कार्यों के परिणामस्वरूप अब यह क्षेत्र रेड जोन से निकलकर क्रिटिकल जोन से भी बाहर आ गया है। प्रशासन इसे अभियान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल कर रहा है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि जल संरक्षण कोई एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि जिले के आम लोगों ने इसे अपना अभियान माना। लोगों में पानी बचाने और जल संरचनाओं के संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर बालोद का नाम आना निश्चित रूप से जिले के लिए गर्व की बात है, लेकिन इससे भी बड़ी उपलब्धि यह है कि जन-जन इस अभियान से जुड़ा है। जल संरक्षण के लिए लोगों की बढ़ती जागरूकता और भागीदारी को उन्होंने अभियान की सबसे बड़ी सफलता बताया।

जल संरक्षण के साथ फसल विविधीकरण पर भी जोर

जिले में पानी की बचत के लिए जल संरक्षण अभियान को क्रॉप डायवर्सिफिकेशन से भी जोड़ा गया। इसके तहत करीब 6 हजार हेक्टेयर भूमि में धान के बजाय अन्य फसलों और कैश क्रॉप्स को बढ़ावा दिया गया। इसका उद्देश्य भूजल पर दबाव कम करने के साथ किसानों को कम पानी में अधिक लाभ देने वाली फसलों की ओर प्रोत्साहित करना है।

मिशन अंकुर से 3 लाख से अधिक सीड बॉल

जल संरक्षण के साथ पर्यावरण संवर्धन को भी अभियान का हिस्सा बनाया गया। जिले में करीब डेढ़ लाख से अधिक ट्रेंच तैयार किए गए। इन ट्रेंच में आम, कटहल, अर्जुन सहित विभिन्न प्रजातियों के बीजों से तैयार 3 लाख से अधिक सीड बॉल डाले गए। यह कार्य 'मिशन अंकुर' के तहत किया गया। गर्मी के दौरान उपलब्ध विभिन्न प्रजातियों के बीजों को सीड बॉल के रूप में तैयार कर ट्रेंच में रोपा गया, ताकि बारिश के दौरान इनके अंकुरण की संभावना बढ़े और आने वाले समय में हरित क्षेत्र का विस्तार हो सके।

मिशन ओला से बूंद-बूंद पानी की बचत

पौधरोपण के बाद पौधों की सिंचाई में पानी की बर्बादी रोकने के लिए जिले में 'मिशन ओला' भी चलाया गया। इसके तहत पौधों के पास घड़े लगाए गए, जिनसे पानी धीरे-धीरे बूंद-बूंद पौधों की जड़ों तक पहुंचता है। इससे नियमित सिंचाई की तुलना में पानी की बर्बादी कम करने और पौधों को लंबे समय तक नमी उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।

डिफंक्ट बोरवेल को बनाया इंजेक्शन वेल

जल गुणवत्ता और भूजल रिचार्ज को लेकर भी प्रशासन ने विशेष पहल की। जिले में अनुपयोगी और डिफंक्ट बोरवेल को चिन्हांकित कर उन्हें इंजेक्शन वेल सहित अन्य जल संरक्षण संरचनाओं में परिवर्तित किया गया। इसके माध्यम से बारिश के पानी को जमीन के भीतर पहुंचाने और भूजल स्तर को बढ़ाने की दिशा में काम किया गया।कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने बालोद के देश के टॉप-10 जिलों में शामिल होने को जिले के लिए गर्व का विषय बताया।

कबीरधाम में 86,477 ग्रामीण परिवारों के पक्के घर का सपना हुआ साकार

कवर्धा। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के प्रभावी क्रियान्वयन से कबीरधाम जिले में हजारों ग्रामीण परिवारों को पक्का और सुरक्षित आवास मिला है। वर्ष 2016 से 2026 तक जिले को कुल 1,00,091 आवासों का लक्ष्य मिला, जिसके विरुद्ध 99,790 आवास स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 86,477 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। यानी स्वीकृत आवासों में करीब 87 प्रतिशत आवास पूरे हो चुके हैं, जबकि राज्य का औसत करीब 84 प्रतिशत है। वर्ष 2016 से 2023 के दौरान मिले 48,656 आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध सभी आवास स्वीकृत किए गए और 47,164 आवास पूर्ण हुए। वहीं वर्ष 2024 से 2026 के दौरान 51,435 आवासों के लक्ष्य में से 51,134 आवास स्वीकृत हुए तथा 39,313 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। आवास निर्माण में तेजी लाने के लिए जिला स्तर पर नियमित समीक्षा, जनपद पंचायतवार निगरानी और ग्राम पंचायत स्तर पर हितग्राहियों से संपर्क किया जा रहा है। सचिव, रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक और आवास मित्र हितग्राहियों को निर्माण के विभिन्न चरणों में मार्गदर्शन दे रहे हैं। योजना का लाभ केवल पक्का मकान उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है। आवास निर्माण से जुड़े हितग्राहियों को 90 दिनों के रोजगार का अवसर भी मिल रहा है। इसके अलावा शौचालय, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, नल-जल, बिजली, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड और महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ने जैसी सुविधाओं का लाभ भी अभिसरण के माध्यम से दिया जा रहा है। पक्का आवास मिलने से बारिश, गर्मी और अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों में असुरक्षित कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को राहत मिली है। योजना ने ग्रामीण परिवारों के लिए सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व के साथ बेहतर भविष्य की नींव मजबूत की है।

रिलीविंग हुई, ज्वाइनिंग नहीं; कबीरधाम स्वास्थ्य विभाग में शासन के अटैचमेंट आदेश की अनदेखी

कवर्धा। स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से चली आ रही अटैचमेंट व्यवस्था को समाप्त करने के शासन के निर्देश के बाद विभागीय स्तर पर रिलीविंग की कार्रवाई तो की गई, लेकिन इसके बाद कर्मचारियों की वास्तविक ज्वाइनिंग को लेकर स्थिति अब भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। शासन के आदेश के अनुपालन में अटैच कर्मचारियों को उनके मूल पदस्थापना स्थल के लिए रिलीव किए जाने की जानकारी है, लेकिन कितने कर्मचारी वास्तव में अपने मूल स्थान पर पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं, इसका स्पष्ट रिकॉर्ड सामने नहीं आने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। अटैचमेंट व्यवस्था मूल रूप से प्रशासनिक आवश्यकता के आधार पर अस्थायी व्यवस्था के रूप में अपनाई जाती है। स्वास्थ्य विभाग में इसका महत्व इसलिए और बढ़ जाता है, क्योंकि किसी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में स्वीकृत पद के अनुरूप कर्मचारी उपलब्ध नहीं होने पर इसका सीधा असर मरीजों को मिलने वाली सेवाओं पर पड़ सकता है। ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में स्थित स्वास्थ्य संस्थानों में कर्मचारियों की नियमित उपलब्धता स्वास्थ्य व्यवस्था की बुनियादी जरूरत है। शासन के निर्देश के बाद अटैचमेंट समाप्त करने के लिए कर्मचारियों को रिलीव करना पहला चरण था। इसके बाद संबंधित कर्मचारी अपने मूल पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करें, इसकी निगरानी और सत्यापन भी विभागीय जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि रिलीविंग के बाद भी कर्मचारी निर्धारित स्थान पर ज्वाइन नहीं करते हैं तो विभाग को इसके कारणों की जानकारी लेकर नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल रिलीविंग के बाद की स्थिति को लेकर है। विभाग ने कितने कर्मचारियों को रिलीव किया, कितनों ने मूल पदस्थापना पर ज्वाइन किया, कितनों की ज्वाइनिंग लंबित है और वर्तमान में कौन कर्मचारी किस स्थान पर सेवाएं दे रहा है, इसकी कर्मचारीवार जानकारी सामने आने पर पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकती है। यदि सभी रिलीव किए गए कर्मचारियों ने अपने मूल स्थान पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है तो विभाग के पास उनकी ज्वाइनिंग रिपोर्ट और उपस्थिति का रिकॉर्ड उपलब्ध होना चाहिए। वहीं यदि किसी कर्मचारी को प्रशासनिक आवश्यकता के चलते अन्य स्थान पर सेवाएं जारी रखने की अनुमति दी गई है तो उसके पीछे सक्षम अधिकारी का लिखित आदेश और स्पष्ट कारण भी होना जरूरी है। इससे शासन के निर्देशों के पालन को लेकर किसी तरह का भ्रम नहीं रहेगा। सक्षम अधिकारियों की जिम्मेदारी केवल रिलीविंग आदेश जारी करने तक सीमित नहीं हो सकती। आदेश के बाद कर्मचारी ने कहां ज्वाइन किया, उसकी उपस्थिति कहां दर्ज हो रही है और मूल पदस्थापना वाले संस्थान में उसकी सेवाएं वास्तव में शुरू हुई या नहीं, इसका सत्यापन भी जरूरी है। यदि किसी स्तर पर ज्वाइनिंग नहीं हुई है तो इसकी जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग में अटैचमेंट की स्थिति का सबसे बड़ा प्रभाव उन संस्थानों पर पड़ सकता है जहां पहले से ही कर्मचारियों की कमी रहती है। यदि किसी ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र के लिए स्वीकृत कर्मचारी लंबे समय तक अन्यत्र सेवाएं देता रहा तो संबंधित क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की संभावना रहती है। इसलिए अटैचमेंट खत्म करने का उद्देश्य केवल कागजी कार्रवाई पूरी करना नहीं, बल्कि जरूरत वाले स्वास्थ्य संस्थानों में कर्मचारियों की वास्तविक उपलब्धता सुनिश्चित करना होना चाहिए। शासन के आदेशों के अनुपालन में पारदर्शिता के लिए विभाग को कर्मचारीवार रिलीविंग और ज्वाइनिंग की स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए। मूल पदस्थापना, रिलीविंग की तारीख, ज्वाइनिंग की तारीख और वर्तमान कार्यस्थल का मिलान किया जाना चाहिए। इससे यह भी पता चलेगा कि अटैचमेंट समाप्त करने की कार्रवाई वास्तव में जमीन पर कितनी प्रभावी हुई है। कागजों में अटैचमेंट खत्म होना और धरातल पर व्यवस्था बदलना दो अलग-अलग बातें हैं। शासनादेश का वास्तविक पालन तभी माना जाएगा जब कर्मचारी अपने मूल पदस्थापना स्थल पर पहुंचकर नियमित रूप से सेवाएं देंगे और संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों में उनकी उपस्थिति दिखाई देगी।

अब विभागीय प्रशासन के सामने चुनौती यही है कि वह रिलीविंग के बाद की स्थिति को स्पष्ट करे और जहां ज्वाइनिंग नहीं हुई है, वहां कारणों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करे। शासन के आदेशों की प्रभावशीलता का आकलन फाइलों में दर्ज आदेशों से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संस्थानों में कर्मचारियों की वास्तविक मौजूदगी से होना चाहिए। रिलीविंग के बाद ज्वाइनिंग की स्थिति स्पष्ट करना अब विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इससे न केवल शासन के निर्देशों के पालन की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित होगा कि जिन स्वास्थ्य संस्थानों के लिए कर्मचारी स्वीकृत हैं, वहां उनका लाभ सीधे मरीजों और ग्रामीणों को मिल सके।

कोटा में हुआ राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन

कोटा। कोटा नगर में राष्ट्रीय विराट कुश्ती दंगल का आयोजन स्वर्गीय भगवान सिंह पवार की स्मृति में दो दिवसीय प्रतियोगिता कराया गया जिसमें हरियाणा पंजाब दिल्ली राजस्थान उत्तर प्रदेश छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश के चयनित पहलवान अपना दमखम दिखाकर पुरस्कार प्राप्त किया इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि सम्माननीय विधायक अटल श्रीवास्तव एवं अध्यक्ष था सरोज साहू एवं रामलाल साहू एमएल साहू आदित्य दीक्षित प्रकाश जायसवाल सुरेश चौहान अंजना चौक से बदरुद्दीन खत्री विष्णु अग्रवाल वेंकट अग्रवाल नगर के सम्माननीय नागरिक नागरिक इसका कार्यक्रम का आनंद उठाएं छत्तीसगढ़ के झोली में कुमार एवं अभिमन्यु का पदक प्राप्त हुआ ।

यातायात बेमेतरा पुलिस टीम ने सड़क पर बैठे एवं विचरण करने वाले गौवंशों के गले में बांधी रेडियम पट्टी

बेमेतरा । समस्त थाना/चौकी व यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, आम नागरिकों तथा गौवंशों की सुरक्षा के लिए एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यातायात प्रभारी बेमेतरा रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो सहित यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा सड़क पर बैठे एवं विचरण करने वाले गौवंशों के गले में रेडियम पट्टी बांधी गई। रेडियम पट्टी पर वाहन की हेडलाइट पड़ते ही वह चमकती है, जिससे रात के समय वाहन चालकों को सड़क पर मौजूद गौवंश दूर से दिखाई देंगे। इससे वाहन चालक समय रहते अपनी गति नियंत्रित कर सकेंगे तथा संभावित सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी। बेमेतरा पुलिस की यह पहल गौवंश एवं आम नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। पुलिस द्वारा क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि हाईवे अथवा सड़क पर गौवंशों को विचरण करते या बैठे हुए देखने पर सुरक्षित तरीके से उन्हें सड़क के किनारे पहुंचाने में सहयोग करें। बेमेतरा पुलिस ने कहा कि गौवंश एवं आमजन की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस के इस अभियान में सहयोग कर क्षेत्रवासी सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। बेमेतरा पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं, मालवाहक वाहनों में सवारी न बैठाएं, नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने न दें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं तथा वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें तथा वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

कृष्ण मंदिर में कृष्ण जन्म उत्सव का होगा आयोजन

बेमेतरा । बेमेतरा जिला के प्रसिद्ध और प्राचीन श्री राधा कृष्ण मंदिर बेमेतरा में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत महोत्सव 4 सितंबर दिन शुक्रवार को मध्य रात्रि के समय भगवान बालकृष्ण प्रगट होंगे और बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथजन्मोत्सव मनाया जाएगा श्री राधा कृष्ण मंदिर के संत गणेश्वर शास्त्री महाराज ने बताया की 10 दिन पहले से ही जन्माष्टमी की तैयारी प्रारंभ है शुक्रवार को भगवान का जन्मोत्सव मध्य रात्रि के समय ठीक 12 बजे मनाया जाएगा प्रातः काल से ही भगवान के दिव्य दर्शन करने के लिए भक्तजन आते हैं भगवान का पंचामृत से अभिषेक किया जाता है तत्पश्चात् श्रृंगार होता है भगवान को पंचामृत और पंजरी का भोग लगाया जाता है तत्पश्चात महाआरती होती है शास्त्री ने बताया कि भगवान के जन्म होने पर जीव को सब कुछ त्याग करके भगवान के दर्शन के लिए मंदिर में पहुंचना चाहिए क्योंकि दर्शन करने से कोटी जन्म का पाप नष्ट हो जाता है इसलिए भगवान बालकृष्ण का दर्शन करना चाहिए जन्माष्टमी को धूमधाम से मनाना चाहिए भगवान को झूला झूलना चाहिए सनातन संस्कृति का महा महोत्सव है कृष्ण जन्माष्टमी के दिन व्रत करना चाहिए और जब भगवान का जन्म हो जाए तब भगवान को भोग लगा करके पारण करना चाहिए क्योंकि शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान श्री कृष्ण को केवल प्रणाम कर लेने से जीव को अश्वमेध यज्ञ वाजपेई यज्ञ अनेक यज्ञों का फल तो मिलता है, साथ ही मोक्ष को भी प्रदान करने वाली है, इसलिए भगवान का दर्शन करें प्रणाम करें, प्रसाद पंचामृत पंजीरी को ग्रहण करें, इससे जीवन में सुख और समृद्धि वैभव भगवान की कृपा आप सभी को प्राप्त होगी।

जन्माष्टमी पर मठ-मंदिरों के लिए धर्म स्तंभ काउंसिल की एडवाइजरी जारी

धर्मसम्मत तरीके से हों आयोजन, दही-हांडी लूट में सनातन परंपरा और मंदिर की मर्यादा का रखें ध्यान

बेमेतरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के आयोजन को लेकर धर्म स्तंभ काउंसिल ने प्रदेश के मठ-मंदिरों, मंदिर समितियों और श्रद्धालुओं के लिए एडवाइजरी जारी की है, काउंसिल ने जन्माष्टमी के धार्मिक आयोजनों को सनातन परंपरा एवं धर्मसम्मत विधि से संपन्न कराने तथा दही-हांडी लूट जैसे आयोजनों में मंदिर की मर्यादा और धार्मिक स्वरूप बनाए रखने की बात कही है। काउंसिल की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि जन्माष्टमी के अवसर पर मठ-मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना, जन्मोत्सव, भजन-कीर्तन, संकीर्तन और झांकी सहित धार्मिक कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाए,दही-हांडी लूट का आयोजन भी श्रीकृष्ण की बाल लीला और सनातन परंपरा के अनुरूप किया जाए। काउंसिल ने आयोजकों से मंदिर परिसर में धार्मिक अनुशासन और पवित्रता बनाए रखने तथा ऐसे कार्यक्रमों से बचने की अपील की है, जिनसे धार्मिक भावनाएं आहत हों। साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुविधा तथा आयोजन स्थल पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था रखने की बात कही गई है। धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने कहा कि जन्माष्टमी के आयोजनों में आधुनिकता के नाम पर पर्व के मूल धार्मिक स्वरूप से समझौता नहीं होना चाहिए, उन्होंने कहा, जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य का पर्व है, इसलिए उत्सव का स्वरूप ऐसा हो, जिसमें भक्ति, परंपरा और धार्मिक मर्यादा तीनों का समन्वय दिखाई दे, दही-हांडी लूट भी श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ी परंपरा है, इसे उसी भाव के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने प्रदेश के मठ-मंदिरों और मंदिर समितियों से एडवाइजरी का पालन करते हुए स्थानीय परंपराओं के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। महंत सुरेंद्र दास, राम जानकी मंदिर ने कहा, मठ-मंदिर केवल पूजा के स्थान नहीं, बल्कि सनातन संस्कारों और परंपराओं के संरक्षण के केंद्र हैं, जन्माष्टमी के अवसर पर होने वाले प्रत्येक आयोजन में इसकी झलक दिखाई देनी चाहिए,दही-हांडी का आयोजन भी धार्मिक भावना और मर्यादा के साथ हो, यही हमारी परंपरा है।

बेमेतरा नगर के विकास को मिलेगी नई रफ्तार, सामान्य सभा में 13 विषय पर चर्चा कर लिया गया निर्णय

बेमेतरा। नगर पालिका परिषद बेमेतरा की सामान्य सभा की महत्वपूर्ण बैठक नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बेमेतरा नगर के विकास को मिलेगी नई रफ्तार देते हुए सामान्य सभा में 13 विषय पर चर्चा कर निर्णय लिया गया। बैठक में लिए गए निर्णय के मुताबिक सभी वार्डों में सड़क एवं नाली निर्माण के लिए प्रत्येक पार्षद को 25 लाख तक के विकास कार्यों का अवसर मिलेगा, बाजार क्षेत्र में गुमटी निर्माण कराया जाएगा। टाउन हॉल का नामकरण पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर किया जाएगा। सिगौरी स्थित ऑडिटोरियम का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किया जाएगा। माहेश्वरी भवन के सामने स्थित चौक का नाम डॉ. बीरेंद्र दानी के नाम पर किए जाने का निर्णय लिया गया। डॉ. दानी जनसंघ से जुड़े रहे तथा मीसा बंदी रहे हैं। 100 से अधिक आवास एवं दुकानों के नामांतरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। नगर के विकास कार्यों के लिए अब तक ?33 करोड़ से अधिक की राशि नगरीय प्रशासन विभाग से स्वीकृत हो चुकी है। इन विकास कार्यों से बेमेतरा शहर में सड़क, नाली, बाजार एवं नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे। इस संबंध में और जानकारी देते हुए बेमेतरा नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बताया। बेमेतरा शहर के विकास एवं कायाकल्प के लिए सहयोग और स्वीकृति प्रदान करने हेतु उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं बेमेतरा विधायक दीपेश साहू का हृदय से आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया है इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अशोक शर्मा पार्षद नीतू कोठारी सभापति गौरव साहू सभापति विकाश तमबोली सभापति पंचू साहू आकिब राजकुमार खांडे मलकानी सिमरन ताम्रकर सजनी यादव रश्मि मिश्रा लक्की साहू रीता पांडेय राजू साहू चाँदनी रोशन दत्ता शिव पाटिल योतेश्वर साहू टंडन एल्डरमेन राकेश मोहन शर्मा सावित्री रजक कमलेश वर्मा तारण राजपूत नंदू राठी सांसद प्रतिनिधि अनिल माहेश्वरी विधायक प्रतिनिधि योगेश वर्मा नगर पालिका मुख्य अधिकारी नरेश वर्मा सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

तीन साल से मणिपुर में हिंसा का सिलसिला, आखिर क्यों नहीं निकाल पा रही सरकार स्थायी रास्ता ?

मणिपुर में मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के जिस मसले पर मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई थी, उसका समाधान निकालने को लेकर सरकार ने अब तक ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे राज्य में जारी तनाव को खत्म करने में मदद मिले। यह किसी भी राज्य सरकार के लिए एक बेहद असहज और शर्मिंदगी की स्थिति होनी चाहिए कि आखिर तीन साल से ज्यादा वक्त से वह वहां जारी हिंसा को थाम पाने में नाकाम क्यों है। मणिपुर में उग्रवादी समूहों की ओर से जिस तरह की हिंसक गतिविधियां लगातार जारी हैं, हर कुछ दिनों बाद हमले, आगजनी या हत्या की घटनाएं सामने आ जाती हैं, उससे यह साफ है कि सरकार हालात पर काबू पाने के मामले में लाचार है।हैरानी की बात यह है कि आए दिन हिंसा की तमाम घटनाएं अपनी प्रकृति में एक जैसी हैं और उससे निपटने के लिए सरकार के भीतर सिर्फ इच्छाशक्ति की जरूरत है, लेकिन यह समझना मुश्किल है कि आखिर किन वजहों से स्थिति पर काबू पाने को लेकर जरूरी संजीदगी नहीं दिखाई देती। जबकि इसका नतीजा यह है कि आए दिन वहां नाहक ही आम लोगों को जान गंवानी पड़ रही है। सवाल है कि इतने लंबे समय से जारी हिंसक घटनाएं आखिर किन वजहों से आज भी रोकी नहीं जा पा रही हैं?गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी थाना क्षेत्र के तहत इंफाल-तामेई आईटी मार्ग पर स्थित बस्ती में गुरुवार की सुबह कुछ हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया, जिसमें चार लोगों की जान चली गई। मारे गए लोग नगा समुदाय से थे। वहां सुरक्षा व्यवस्था की जो स्थिति थी, उसके मुताबिक नगा समुदाय के लोगों ने स्वाभाविक ही यह आरोप लगाया कि सरकार ने एक तरह से उग्रवादी संगठनों को खुली छूट दे रखी है और हिंसा की घटनाएं सुनियोजित हैं। सरकार पर ऐसे आरोप पहले भी अन्य समुदायों की ओर से लगाए जा चुके हैं। यह एक तरह से पीड़ित समूहों की ओर से सरकार को सीधे-सीधे कठघरे में खड़ा करना है। इस घटना के कुछ ही दिन पहले सेनापति जिले में उग्रवादियों ने कई घरों में आग लगा दी थी। न केवल पिछले कुछ दिनों से हिंसक घटनाओं में आई तेजी के मद्देनजर, बल्कि राज्य में इस समस्या की शुरुआत से ही सरकार का जो रवैया रहा है, उसे देखते हुए यह सवाल लाजिमी है कि वहां आज भी निर्दोष लोगों की हत्याओं से लेकर स्थानीय आबादी के घरों को जलाने या अन्य बेलगाम हमलों के जारी रहने के आखिर क्या कारण हैं।यह साफ है कि मणिपुर में मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के जिस मसले पर मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई थी, उसका समाधान निकालने को लेकर सरकार ने अब तक ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे राज्य में जारी तनाव को खत्म करने में मदद मिले। वहां जारी हिंसा में अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, करीब ग्यारह सौ लोग घायल हुए और कई हजार को विस्थापित होना पड़ा।

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा- आर्थिक निवेश, सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक संघ नेटवर्क का विस्तार

(अशोक भाटिया)

इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है।

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है। अगस्त 2026 में हो रही इस उच्च-स्तरीय यात्रा के बहुआयामी प्रभाव हैं, जो पारंपरिक कूटनीति के दायरों से बहुत आगे निकल जाते हैं। इस दौरे के प्रभाव को मुख्य रूप से तीन बड़े स्तंभों के माध्यम से समझा जा सकता है, जिसमें पहला अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ भविष्य की तकनीकों पर हुआ गंभीर आर्थिक विमर्श है, दूसरा वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय प्रवासियों का ऐतिहासिक सांस्कृतिक समागम है, और तीसरा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस यात्रा को लेकर पैदा हुए वैचारिक अंतर्विरोध और तीखे राजनीतिक विरोध प्रदर्शन हैं। इन सभी पहलुओं का एक साथ मिलकर विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि आधुनिक भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाला यह संगठन अब वैश्विक स्तर पर देश की छवि, नीतियों और अंतरराष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार अपनी रणनीतियों का विस्तार कर रहा है। इस पूरी यात्रा का सबसे पहला और आर्थिक रूप से अत्यंत व्यावहारिक पड़ाव न्यूयॉर्क में वैश्विक कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों, नीति-निर्माताओं और उद्यम पूंजीपतियों के साथ आयोजित एक विशेष गोलमेज बैठक थी । इस संवाद के दौरान पारंपरिक द्विपक्षीय व्यापार के स्थापित ढांचों से आगे बढ़कर पूरी तरह से भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों यानी डीप-टेक पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस उच्च-स्तरीय बैठक में दूरसंचार क्षेत्र के आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निजी निवेश की संभावनाओं, स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक लक्ष्यों और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक विधाओं में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग पर गहराई से विमर्श हुआ। डॉ. मोहन भागवत ने वैश्विक निवेशकों के सामने भारत को एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक, कानून सम्मत और विकासोन्मुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में मजबूती से प्रस्तुत किया। इस चर्चा के दौरान अमेरिकी निवेशकों ने भारत के विशाल बाजार और उसकी बढ़ती आर्थिक क्षमता की सराहना तो की, लेकिन साथ ही उन्होंने राज्य स्तर पर आने वाली प्रशासनिक और विनियामक बाधाओं पर अपनी व्यावहारिक चिंताएं भी साझा कीं। निवेशकों का मुख्य तर्क यह था कि यदि भारत को चीन के एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में आना है, तो भूमि अधिग्रहण, जटिल कर संरचनाओं और स्थानीय स्तर पर फैक्ट्रियां स्थापित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाना होगा, ताकि प्रशासनिक देरी के बिना निवेश धरातल पर उतर सके। इसी बैठक में सिलिकॉन वैली की जानी-मानी निवेश भागीदार आशा जडेजा मोटवानी जैसी हस्तियों ने भागवत के इस विचार का पुरजोर समर्थन किया कि भारत की युवा जनसांख्यिकी आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, और भारतीय युवा न केवल अपने देश के विकास के इंजन हैं बल्कि वे पूरी दुनिया में सकारात्मक और तकनीकी बदलावों के सबसे बड़े संवाहक बनकर उभर रहे हैं । इस तीन दिवसीय दौरे का दूसरा और दृश्य रूप से सबसे भव्य पहलू न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक और दुनिया भर में प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित होने वाला यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन है । रक्षाबंधन के पावन सांस्कृतिक अवसर पर आयोजित होने वाले इस विशाल समागम में पूरे

अमेरिका महाद्वीप से 5,000 से अधिक विशिष्ट भारतीय प्रवासियों और सैकड़ों सांस्कृतिक, दार्शनिक व आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई । इस भव्य आयोजन के पीछे बहुत गहरे भू-राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ छिपे हुए हैं, क्योंकि इस पूरे उत्सव का मूल दर्शन भारतीय संस्कृति के कालजयी विचार वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सार्वभौमिक सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे दौर में जब पूरा विश्व भू-राजनीतिक संघर्षों, युद्धों, वैचारिक ध्रुवीकरण और गंभीर जलवायु संकटों से जूझ रहा है, मैडिसन स्क्वायर गार्डन जैसे अत्यधिक प्रभावशाली पश्चिमी मंच से सर्वसमावेशी, बहुसांस्कृतिक और अंतरधार्मिक एकता का संदेश देना भारत की उस विश्व-मित्र वाली छवि को वैश्विक जनमानस में स्थापित करता है जो सभी के कल्याण की कामना करती है। यह आयोजन अमेरिकी समाज, वहां की अर्थव्यवस्था, विज्ञान और राजनीति में शीर्ष पदों पर आसीन भारतीय प्रवासियों की एकजुटता और उनकी जनसांख्यिकीय व आर्थिक शक्ति का भी एक बहुत बड़ा प्रदर्शन है , जिसकी उपेक्षा कोई भी अमेरिकी सरकार या नीति-निर्माता नहीं कर सकता। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के माध्यम से संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खिलाफ बने पुराने नैरेटिव को तोड़ने और पश्चिमी दुनिया के सामने खुद को एक वैश्विक, समावेशी और परोपकारी दार्शनिक आंदोलन के रूप में पेश करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। भारत से बाहर रहने वाले हिंदुओं को अपनी संस्कृति, जड़ों और मूल्यों से जोड़े रखने में हिंदू स्वयंसेवक संघ दशकों से मूक भाव से काम कर रहा है, लेकिन इस स्तर के शीर्ष नेतृत्व के प्रवास ने इन गतिविधियों को मुख्यधारा की वैश्विक चर्चा में ला खड़ा किया है। इस यात्रा के बाद विदेशों में चल रही संघ की साप्ताहिक और मासिक बालगोकुलम जैसी गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, जहां प्रवासी परिवारों की नई पीढ़ी को भारतीय दर्शन, योग और नेतृत्व क्षमता के संस्कार दिए जाते हैं। एचएसएस के माध्यम से प्रवासी भारतीय केवल सांस्कृतिक रूप से ही संगठित नहीं हो रहे हैं, बल्कि वे अमेरिकी समाज में परोपकार, आपदा प्रबंधन और स्थानीय सामुदायिक सेवा के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। संघ प्रमुख ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि विदेशों में रहने वाले स्वयंसेवकों का यह दायित्व है कि वे अपनी कर्मभूमि (अमेरिका) के प्रति पूरी तरह वफादार और अनुशासित रहते हुए अपनी मातृभूमि (भारत) के सांस्कृतिक गौरव को अक्षुण्ण रखें। यह रणनीतिक मार्गदर्शन आने वाले समय में पश्चिमी देशों में भारतीय प्रवासियों को एक ऐसे सुदृढ़ सामाजिक समूह के रूप में स्थापित करेगा, जो वैश्विक स्तर पर भारत विरोधी दुष्प्रचार का मुकाबला करने और भारत के पक्ष में एक सकारात्मक जनमत तैयार करने में अधिक सक्षम होगा। सकारात्मक आर्थिक संवाद और सांस्कृतिक महाकुंभ के समानांतर, इस यात्रा का वह अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विवाद और विरोध प्रदर्शन भी एक अनिवार्य पहलू है जिसने न्यूयॉर्क की राजनीति को गरमाए रखा । डॉ. भागवत की इस हाई-प्रोफाइल उपस्थिति का अमेरिकी मानवाधिकार लॉबी, कुछ नागरिक अधिकार संगठनों और स्थानीय राजनेताओं द्वारा तीखा विरोध किया गया है । उदाहरण के तौर पर, न्यू यॉर्क शहर के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर ज़ोहरान ममदानी ने सार्वजनिक रूप से इस आयोजन और संघ की विचारधारा पर अपनी गहरी वैचारिक असहमति व्यक्त की , हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक निजी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम है, इसलिए नगर प्रशासन के पास इसे रोकने का कोई विधिक आधार नहीं है ।

जीवन की राह में कठिनाइयां क्यों जरूरी हैं, शिकायत से जिम्मेदारी तक का सफर ही असली साधना

(ममता कुशवाहा)

साहस, धैर्य, प्रेम और कर्म- ये केवल शब्द नहीं, बल्कि वे चार स्तंभ हैं, जिन पर मनुष्य के आत्मिक भवन का निर्माण होता है। मनुष्य जब इस संसार में पदार्पण करता है, तो उसके साथ न कोई विधान आता है, न कोई प्रतिज्ञापत्र, जिस पर लिखा हो कि जीवन सदैव सुखद, सरल और मनोवांछित ही रहेगा। फिर भी हममें से अधिकांश लोग यह भ्रम पाल लेते हैं कि जीवन का स्वाभाविक स्वरूप सुख है, और दुख उसमें कोई अवांछित हस्तक्षेप। जब भी विपत्ति का बादल घिरता है, हम आकाश की ओर उंगली उठाकर पूछ बैठते हैं- 'मेरे ही साथ ऐसा क्यों?' यह प्रश्न स्वाभाविक है, लेकिन इसका उत्तर शिकायत में नहीं, स्वीकृति में छिपा है। जीवन को अगर हम एक न्यायालय मान लें, जहां हम वादी बनकर नियति के विरुद्ध याचिका दायर करते रहें, तो हमारा समूचा अस्तित्व एक असमाप्त मुकदमे में बदल जाता है। अगर हम जीवन को एक उत्तरदायित्व के रूप में स्वीकार करें, एक ऐसा दायित्व, जो प्रत्येक सुबह के साथ नया होकर हमारे सम्मुख उपस्थित होता है, तो वही जीवन एक साधना बन जाता है। विक्टर फ्रैंकल ने अपने अनुभवों से यह प्रतिपादित किया था कि जीवन हमसे प्रश्न नहीं पूछता, बल्कि वह स्वयं एक प्रश्न है, जिसका उत्तर हमें अपने कर्मों और आचरण से देना होता है। गीता में कहा गया है कि फल की चिंता किए बिना कर्म में प्रवृत्त होना ही मनुष्य का धर्म है। हर परिस्थिति, चाहे वह सुखद हो या विषम, दरअसल, एक अनकहा प्रश्न लेकर हमारे द्वार पर दस्तक देती है। कोई प्रियजन का बिछोह हमसे धैर्य की परीक्षा लेता है, कोई असफलता साहस की मांग करती है, कोई विश्वासघात हमसे यह पूछता है कि क्या हम फिर भी प्रेम करने का साहस रखते हैं। इन प्रश्नों से पलायन संभव नहीं। संभव केवल इतना है कि हम इनका उत्तर किस भाव से दें- विवशता के साथ या समर्पण के साथ, कटुता के साथ या करुणा के साथ। साहस, धैर्य, प्रेम और कर्म- ये केवल शब्द नहीं, बल्कि वे चार स्तंभ हैं, जिन पर मनुष्य के आत्मिक भवन का निर्माण होता है। साहस वह ज्योति है, जो अंधकार से भयभीत नहीं होती। धैर्य वह जड़ है, जो आंधी में भी वृक्ष को धरती से बांधे रखती है। प्रेम वह जल है, जो सूखी हुई आत्मा को फिर से हरा-भरा करता है और कर्म वह हाथ है, जो विचारों को यथार्थ का रूप देता है। जब जीवन कोई कठिन प्रश्न प्रस्तुत करे, तो इन्हीं चार स्तंभों की ओर देखना चाहिए, क्योंकि इनके बिना कोई भी उत्तर अधूरा और खोखला रह जाता है। कठिनाइयां दरअसल उस आंतरिक शक्ति की परिचायक होती हैं, जो सामान्य दिनचर्या के सहज प्रवाह में अप्रकट रहती है। मनुष्य का चरित्र विपत्ति की भट्टी में तपे बिना अपनी वास्तविक चमक नहीं पाता। सुख के दिनों में तो प्रत्येक व्यक्ति खुद को साहसी और धैर्यवान समझता है, लेकिन वास्तविक परीक्षा तब होती है, जब सब कुछ हाथ से छूटता प्रतीत हो। ऐसे क्षणों में जो व्यक्ति टूटने के बजाय खुद को नए सिरे से गढ़ लेता है, वही जीवन को समझ पाता है। हमारे दैनिक जीवन में यह सिद्धांत अनेक रूप में प्रकट होता है। एक माता-पिता, जो अपनी संतान की बीमारी में रात-दिन एक कर देते हैं, वे शिकायत नहीं करते, बल्कि अपने उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं। एक शिक्षक, जो सीमित संसाधनों में भी अपने विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ने में जुटा रहता है, वह भी इसी सिद्धांत का जीवंत उदाहरण है। एक श्रमिक, जो प्रतिदिन कठोर परिश्रम के पश्चात भी अपने परिवार के प्रति स्नेह और कर्तव्य में कमी नहीं आने देता, वह भी नियति के प्रश्न का उत्तर अपने कर्म से दे रहा होता है। यह उत्तरदायित्व किसी महान कार्य में ही नहीं, बल्कि इन्हीं छोटी-छोटी प्रतीत होने वाली साधारण घटनाओं में सन्निहित है। आधुनिक युग ने जीवन के अर्थ को सुख, धन और सफलता के त्रिकोण में सीमित कर दिया है। हम यह मान बैठे हैं कि जिसके पास अधिक धन है, जिसकी सफलता की गाथाएं सुनी-सुनाई जाती हैं, वही जीवन का वास्तविक विजेता है। मगर गहराई से विचार करें, तो पाएंगे कि धन और सफलता क्षणभंगुर हैं, वे आज हैं, कल नहीं भी हो सकते। जीवन का सच्चा अर्थ इन बाह्य उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उस आंतरिक निष्ठा में निहित है, जिससे हम अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हैं। एक व्यक्ति, जो निर्धनता में भी अपनी ईमानदारी नहीं छोड़ता, जो असफलता में भी अपने मूल्यों से समझौता नहीं करता, वह धनवान और सफल व्यक्ति से कहीं अधिक सार्थक जीवन जी रहा होता है। यह स्वीकृति सरल नहीं है। मनुष्य का स्वभाव है कि वह सुविधा चाहता है, संघर्ष नहीं, लेकिन संघर्ष के बिना जीवन का कोई अर्थ शेष नहीं रहता। जिस प्रकार नदी अपने प्रवाह में अनेक अवरोधों को पार करते हुए ही सागर तक पहुंचती है, उसी प्रकार मनुष्य भी अपनी कठिनाइयों को पार करते हुए अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य तक पहुंचता है। यह यात्रा कष्टप्रद अवश्य है, पर इसी कष्ट में वह माधुर्य छिपा है, जो सुगम मार्ग पर चलने वाले को कभी प्राप्त नहीं होता।

हिमालय की हिमनद झीलें बढ़ा रहीं खतरा, कहीं अगली बाढ़ का कारण न बन जाएं ये जलाशय

नेपाल में आई बाढ़ से हुई तबाही सिर्फ जानमाल के तात्कालिक व्यापक नुकसान की डरावनी तस्वीर ही पेश नहीं करती, बल्कि यह भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी की ओर भी इशारा करती है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने अपने आकलन में कहा है कि यह आपदा भूकंप के कारण नहीं, बल्कि तिब्बत के पर्वतीय क्षेत्र में हिमनद और चट्टानों के खिसकने से बनी झील के टूटने की वजह से आई है। इससे पहले गोसाईं कुंड के लगभग 47 किमी उत्तर में 4.4 तीव्रता से आए भूकंप को हिमनद के टूटने का संभावित कारण बताया था।

(प्रमोद भार्गव)

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल के विज्ञानियों द्वारा किए गए आकलन से पता चला है कि इस क्षेत्र में 47 हिमनद झीलें हैं, जिन्हें खतरनाक माना गया है।

नेपाल में आई बाढ़ से हुई तबाही सिर्फ जानमाल के तात्कालिक व्यापक नुकसान की डरावनी तस्वीर ही पेश नहीं करती, बल्कि यह भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी की ओर भी इशारा करती है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने अपने आकलन में कहा है कि यह आपदा भूकंप के कारण नहीं, बल्कि तिब्बत के पर्वतीय क्षेत्र में हिमनद और चट्टानों के खिसकने से बनी झील के टूटने की वजह से आई है। इससे पहले गोसाईं कुंड के लगभग 47 किमी उत्तर में 4.4 तीव्रता से आए भूकंप को हिमनद के टूटने का संभावित कारण बताया था।

खबरों के अनुसार, 7,245 मीटर ऊंची लांगटांग लिरुंग चोटी के उत्तरी हिस्से पर यह हिमस्खलन हुआ। विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष बताते हैं कि बढ़ते वैश्विक ताप से हिमनदों के पिघलने की गति तेज हो रही है, जिससे उनके टूटकर खिसकने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। यही नहीं, हिमनदों के पिघलने से हिमालयी क्षेत्र में जहां नई झीलों का निर्माण हो रहा है, वहीं पुरानी झीलों का आकार भी बढ़ रहा है, जिन्हें निचले इलाकों की आबादी के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देखा जा रहा है।

नेपाल की इस त्रासदी से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों पर तेज गति से हो रहा है। यहां तक कि जिन हिमनद झीलों के आसपास मानव की आवाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है। नेपाल में जिस हिमनद के टूटने से जल-प्रलय आया, वह 17 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित था।

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल के विज्ञानियों द्वारा किए गए आकलन से पता चला है कि इस क्षेत्र में 47 हिमनद झीलें हैं, जिन्हें खतरनाक माना गया है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि नेपाल की नदियों में इन झीलों के फटने से भयानक बाढ़ आ सकती है। इनमें से 21 हिमनद झीलें नेपाल में हैं और बाकी तिब्बत के सीमावर्ती इलाके में स्थित हैं। ये झीलें उन नदियों के उद्गम स्थलों पर हैं, जो दक्षिण की ओर नेपाल में बहती हैं।

इसलिए अगर इनके फटने से बाढ़ आती है, तो नीचे की ओर बसी आबादी और बुनियादी संरचना के लिए बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। यही संकट नेपाल में बाढ़ से हुई तबाही में देखा गया है। यह चेतावनी यदि अनुमानों पर सही उतरती है, तो कहा जा सकता है कि नेपाल खतरे के मुहाने पर है।

भारत के इसरो और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से विभिन्न अध्ययनों से जुटाए गए आंकड़े भी डराने वाले हैं। इनके मुताबिक, भारतीय हिमालयी क्षेत्र में 7,500 से अधिक हिमनद झीलें हैं, इनमें से 189 'रेड जोन' में रेखांकित की गई हैं। इस संकेत से पता चलता है कि ये झीलें कभी भी फटकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में तबाही का कारण बन सकती हैं, क्योंकि बढ़ते वैश्विक ताप के कारण इन झीलों में बर्फ पिघलने से पानी की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यही नहीं, अध्ययन बताते हैं कि सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्रों की चोटियों पर छोटी-बड़ी हजारों झीलें हैं। ये झीलें पहाड़ों पर अत्यंत तेज गति से प्राकृतिक रूप में आकार ले रही हैं।

लद्दाख में ही ऐसी 3,219 झीलों की पहचान की गई है। हिमालय के भारतीय क्षेत्र में कुल हिमनद झीलों में से 2,431 ऐसी हैं, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दस हेक्टेयर क्षेत्र में फैल गई हैं। इन्हें विभिन्न सर्वेक्षणों ने अत्यधिक जोखिम भरी झीलों की श्रेणी में रखा है। हालांकि कुछ हिमनद झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ भी रहा है।

कुछ झीलों के बढ़ते आकार की ठोस सच्चाई इसरो के उपग्रहों से ली गई तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई है। इस स्थिति ने विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। हिमाचल प्रदेश की गेफांग घाटी झील का आकार सर्वाधिक 178 फीसद बढ़ा है। इसका कुल क्षेत्रफल 101.3 हेक्टेयर हो गया है। हिमालयी क्षेत्र में दस लाख लोग हिमनद झीलों के बीस-तीस किमी के दायरे में रहते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की ओर से वर्ष 2020 में किए गए एक अध्ययन से भी स्पष्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण एशियाई क्षेत्र में बाढ़ की घटनाओं में तेजी आ सकती है, जिससे सालाना बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हो सकता है। साफ है कि वैश्विक ताप के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी एकाएक तेज बारिश, बादल फटने, बाढ़, भारी बर्फबारी या फिर सूखे के कहर का सामना करना पड़ सकता है। आंधी, तूफान या फिर ज्वालामुखियों के फटने की घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि प्राकृतिक आपदाएं कभी भी आ सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

लबालब हुआ माडमसिल्ली बांध, एक्टिव हुआ साइफन सिस्टम, ऑटोमेटिक खुल रहे गेट

रायपुर। प्रदेश में लगातार बारिश का असर बांधों में दिखने लगा है। धमतरी जिले का ऐतिहासिक माडमसिल्ली बांध 100 फीसदी भर चुका है, जिसके बाद इसका साइफन सिस्टम एक्टिव हो गया है। जलस्तर निर्धारित सीमा तक पहुंचने पर बांध के साइफन स्पिलवे से पानी की निकासी शुरू हो गई है। ऑटोमेटिक खुलते साइफन गेट और तेजी से बाहर निकलते पानी का नजारा बेहद आकर्षक नजर आ रहा है। 3836 क्यूसेक पानी साइफन सिस्टम से निकल रहा है जो गंगरेल बांध में जा रहा है। माडमसिल्ली बांध धमतरी जिले के सबसे अनोखे और ऐतिहासिक बांधों में शामिल है, इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी तकनीक है। ब्रिटिश काल में वर्ष 1914 से 1923 के बीच इस बांध का निर्माण कराया गया था। सौ साल से अधिक पुराना होने के बावजूद बांध की तकनीक आज भी लोगों के लिए चर्चा का विषय बनी हुई है। माडमसिल्ली बांध में ऑटोमेटिक साइफन सिस्टम लगाया गया है। बांध में पानी का स्तर निर्धारित सीमा तक पहुंचने पर यह सिस्टम अपने आप सक्रिय हो जाता है और पानी की निकासी शुरू हो जाती है. इसके लिए अलग से गेट खोलने की जरूरत नहीं पड़ती। यही खास तकनीक माडमसिल्ली बांध को दूसरे बांधों से अलग पहचान देती है। माडमसिल्ली बांध में करीब 34 साइफन स्पिलवे होने की जानकारी है। बारिश के मौसम में जब बांध का जलस्तर बढ़ता है, तो साइफन सिस्टम सक्रिय होकर अतिरिक्त पानी को बाहर निकालता है। इस दौरान साइफन से निकलता पानी और एक साथ खुलते ऑटोमेटिक गेट बांध के नजारे को बेहद खूबसूरत बना देते हैं। माडमसिल्ली बांध सिर्फ जलसंचय का महत्वपूर्ण केंद्र ही नहीं, बल्कि पुराने दौर की इंजीनियरिंग का शानदार उदाहरण भी है। करीब एक सदी से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी बांध में इस्तेमाल की गई साइफन तकनीक आज भी बारिश के दौरान प्रभावी तरीके से काम करती है।

राहुल गांधी जल्द आ सकते हैं बस्तर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी का निमंत्रण किया स्वीकार

रायपुर। बस्तर की सियासत और बस्तर के जमीनी मुद्दों को लेकर जल्द ही कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी बस्तर पहुंच सकते हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निमंत्रण को राहुल गांधी ने स्वीकार कर लिया है। ये बातें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जगदलपुर दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए कही। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि आज जिस गणपति रिसोर्ट के जिस हॉल में संगठन सृजन के तहत ब्लॉक अध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, उसी हॉल में कुछ साल पहले राहुल गांधी पहुंचे थे. उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रम में शिरकत की थी. हालांकि राहुल गांधी लंबे समय से छत्तीसगढ़ नहीं आए हैं. ऐसे में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से उन्हें छत्तीसगढ़ आने का निमंत्रण दिया गया था. जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। राहुल गांधी का यह दौरा केवल चुनावी दौरा नहीं होगा, ना ही छात्रों की गूंज होगी बल्कि बस्तर से जुड़े स्थानीय मुद्दों को लेकर होगा। राहुल गांधी ने बस्तर आने पर सहमति भी दे दी है। हालांकि दौरे की तारीख अभी तय नहीं हुई है। भूपेश बघेल ने कहा कि राहुल गांधी इन दिनों देशभर में युवाओं और छात्रों की समस्याओं को लेकर छात्रों की गूंज कार्यक्रम के तहत लगातार दौरे कर रहे हैं। वे लोगों से सीधे संवाद कर रहे हैं. लेकिन बस्तर दौरे के दौरान मुद्दा केवल छात्रों से जुड़ा नहीं होगा। बल्कि बस्तर की स्थानीय समस्याओं और यहां के अहम सवालों पर चर्चा की जाएगी। हालांकि कब राहुल गांधी बस्तर आएंगे इसकी तारीख तय नहीं हुई है।

मेहनत को मिला योजनाओं का संबल, सीता मरावी बनीं गांव की 'लखपति दीदी'

रायपुर। मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत गुदुमदेवरी की श्रीमती सीता मरावी आज आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। कभी सीमित आय में परिवार का भरण-पोषण करने वाली सीता मरावी ने वंदना महिला स्वसहायता समूह से जुड़कर स्वरोजगार की राह अपनाई और आज 'लखपति दीदी' बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं। स्वसहायता समूह से जुड़ने के बाद सीता मरावी ने बैंक लोन, सीआईएफ एवं आरएफ के माध्यम से प्राप्त 25 हजार रुपये की राशि से गांव में किराना दुकान शुरू की। इसके बाद समूह के संकुल से 50 हजार रुपये की राशि प्राप्त कर उन्होंने मुर्गी व्यवसाय भी प्रारंभ किया। दोनों व्यवसायों को मेहनत, लगन और बेहतर प्रबंधन के साथ आगे बढ़ाते हुए उनकी वार्षिक आय अब लगभग 2 से 2.5 लाख रुपये तक पहुंच गई है। बढ़ी हुई आमदनी से न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि उनमें आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। सीता मरावी बताती हैं कि महिला स्वसहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। समूह से मिले आर्थिक सहयोग और मार्गदर्शन ने उन्हें स्वरोजगार शुरू करने का अवसर दिया। आज वह अपने पैरों पर खड़ी हैं।

महिलाओं को संगठित कर उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाएगा महतारी सदन

महिलाओं के हुनर को मिलेगा मंच आत्मनिर्भरता को मिलेगी नई उड़ान

- खम्हरिया और उदयपुर में महतारी सदन निर्माण का भूमिपूजन, मंत्री श्री अग्रवाल ने दी सौगात
- महिलाओं के सम्मान, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का बनेगा सशक्त मंच -राजेश

रायपुर/ संवाददाता

नारी सशक्तीकरण के संकल्प के साथ सुशासन की सरकार प्रदेश की माताओं-बहनों के सम्मान, स्वाभिमान, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सशक्त नेतृत्व में प्रदेशभर में महतारी सदनों का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज अंबिकापुर के ग्राम खम्हरिया और ग्राम उदयपुर में महतारी सदन निर्माण कार्य का भूमिपूजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि महतारी सदन हमारी माताओं-बहनों के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता का केंद्र होगा। यह महिलाओं को एक ऐसा सशक्त मंच उपलब्ध कराएगा, जहां वे बैठकें, प्रशिक्षण तथा विभिन्न सामाजिक और आर्थिक गतिविधियां संचालित कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि महतारी सदन गांव की मातृशक्ति को संगठित करने और उनकी प्रतिभा एवं हुनर को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में अनेक पारंपरिक कौशल और प्रतिभाएं मौजूद हैं। उन्हें उचित मंच और अवसर मिलने पर वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकती हैं, बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक मजबूती में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। उन्होंने कहा कि महतारी सदन में महिलाओं के लिए बैठक, प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों के संचालन की सुविधा मिलेगी। इससे महिलाओं के बीच आपसी सहभागिता और समन्वय बढ़ेगा तथा उन्हें सामूहिक रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक रूप से सशक्त होना परिवार और समाज की मजबूती का आधार है। जब महिलाएं अपने हुनर और क्षमता के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों से जुड़ती हैं, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार के साथ-साथ गांव की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। महतारी सदन महिलाओं के सामाजिक सशक्तीकरण के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम भी बनेगा। इसके जरिए मातृशक्ति को अपनी क्षमताओं को पहचानने, उन्हें निखारने और नए अवसरों से जुड़ने का मंच मिलेगा। श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार नारी सम्मान, स्वाभिमान और सशक्तीकरण को विकास की प्राथमिकता से जोड़कर कार्य कर रही है।

जुआ-सट्टे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई पांच आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

जिले में जुआ-सट्टा और अवैध गतिविधियों के खिलाफ कबीरधाम पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में थाना पांडातराई और कुण्डा पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकदी, छह मोटरसाइकिल और सट्टा-पट्टी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार और अमित पटेल के मार्गदर्शन में जिले में जुआ-सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी के तहत थाना पांडातराई पुलिस को ग्राम बोईरकछार के ब्राम्हण बगीचा में कुछ लोगों के रुपये-पैसों पर जुआ खेलने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस ने मौके से नरेश नेताम, पंचू निषाद, उमाशंकर जायसवाल और अमित चंद्रवंशी को 52 पत्ती ताश के जरिए रुपये-पैसों पर दांव लगाकर जुआ खेलते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 3,200 रुपये नकद और छह मोटरसाइकिल, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 1.20 लाख रुपये है, जब्त की गईं। मामले में थाना पांडातराई में अपराध क्रमांक 126/2026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) में कार्रवाई की गई। कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला के नेतृत्व में की गई। इसी तरह थाना कुण्डा पुलिस ने ग्राम माकरी में सट्टा-पट्टी लिखते एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार अनंत मनहर, उम्र 44 वर्ष, अंकों पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर सट्टा-पट्टी लिख रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से 1,050 रुपये नकद और सट्टा-पट्टी बरामद की। आरोपी के खिलाफ थाना कुण्डा में अपराध क्रमांक 125/2026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6 के अंतर्गत कार्रवाई की गई।

व्हीआर एकेडमी में लाखों की चोरी का 24 घंटे में खुलासा,दो आरोपी गिरफ्तार

- ताला तोड़कर अलमारी से नकदी लेकर ट्रेन से उज्जैन भागे थे आरोपी, बैतूल में आरपीएफकी मदद से पकड़े गए; 4.97 लाख बरामद

रायपुर/ संवाददाता

उरला थाना क्षेत्र के बीरगांव स्थित व्हीआर एजुकेशन एकेडमी में हुई लाखों रुपये की चोरी का रायपुर पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एकेडमी का ताला तोड़कर अलमारी के लॉकर में रखी नकदी चोरी की और घटना के बाद ट्रेन से उज्जैन की ओर फरार हो गए थे। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनका पीछा करते हुए आरपीएफ भिलाई और बैतूल पुलिस से समन्वय स्थापित किया और दोनों आरोपियों को बैतूल में हिरासत में ले लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी की 4 लाख 97 हजार 500 रुपये की नकदी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार बीरगांव कैलाश नगर स्थित व्हीआर एजुकेशन एकेडमी की संचालक प्रगति वर्मा ने 31 अगस्त को थाना उरला में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि मध्यरात्रि करीब 12.06 बजे से 12.48 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति एकेडमी का ताला तोड़कर अंदर घुसा और अलमारी के लॉकर में रखी नकदी चोरी कर फरार हो गया। शिकायत के आधार पर थाना उरला में अपराध क्रमांक 409/2026, धारा 331(4), 305 एवं 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। लाखों रुपये की चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कांबले ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

लोकवाद्यों की सुरमयी प्रस्तुतियों ने बिखेरा छत्तीसगढ़ी संस्कृति का रंग, लोक कलाकारों और बच्चों का हुआ उत्साहवर्धन

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जशपुर को सड़क विकास की बड़ी सौगात

कृषि,शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच होगी आसान-मुख्यमंत्री..

- खरकट्टा-कोडेकेला मार्ग के निर्माण के लिए 6.30 करोड़ रुपये से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले के ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्रों में सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा लगातार महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल खरकट्टा से कोडेकेला पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 6 करोड़ 30 लाख 81 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत परियोजना के तहत 6.20 किलोमीटर लंबी सड़क का पुल-पुलिया सहित निर्माण किया जाएगा। इस मार्ग के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों की मुख्य मार्गों से कनेक्टिविटी बेहतर होगी और क्षेत्रवासियों को वर्षभर सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। विशेषकर बरसात के दौरान आवागमन में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने में पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों तक मजबूत सड़क नेटवर्क पहुंचाने को प्राथमिकता दी जा रही है। बेहतर सड़कें गांवों को केवल मुख्य मार्गों से जोड़ने का माध्यम नहीं हैं।

छत्तीसगढ़ में यूसीसी पर व्यापक मंथनः बस्तर से सरगुजा तक की उठी आवाज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता का सर्वसमावेशी प्रारूप तैयार करने की दिशा में प्रक्रिया तेज हो गई है। राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में आज यूसीसी समिति के समक्ष बस्तर से लेकर सरगुजा तक के प्रतिनिधियों की आवाज गूंजी। इस परिचर्चा में सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष और प्रतिनिधियों, अध्यक्ष राज्य महिला आयोग और अध्यक्ष राज्य फिल्म विकास निगम ने विवाह, तलाक, भरण-पोषण और उत्तराधिकार जैसे संवेदनशील विषयों पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। समिति के सदस्यों सेवानिवृत्त आईएएस श्री एम. के. राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मोहन पवार, सेवानिवृत्त श्रीमती ज्योति रानी सिंह और सदस्य सचिव श्याम धावड़े ने सभी सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक ताने-बाने का पूरा ध्यान रखा जाएगा। इस दौरान कंवर, गोंड, बैगा और उरांव जैसी प्रमुख जनजातियों के प्रतिनिधियों ने अपनी बात रखते हुए आदिवासियों की सदियों पुरानी रूढ़िगत प्रथाओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विशिष्टता को नए कानून में पूर्ण संरक्षण देने की बात कही।

दो फरार आरोपित और एक स्थायी वारंटी गिरफ्तार.....

रायपुर। संवाददाता

अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना विधानसभा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने विभिन्न आपराधिक मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपितों के साथ एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है। वहीं सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी, छीलटई और चाकूबाजी जैसी गतिविधियों में संलिप्त पांच लोगों के खिलाफ भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और नगर पुलिस अधीक्षक विधानसभा के निर्देशन तथा थाना प्रभारी विधानसभा के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए प्रकरणों का तकनीकी विश्लेषण करने के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया था। लगातार सूचना संकलन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपितों की पतासाजी कर उन्हें गिरफ्तार किया और न्यायालय के समक्ष पेश किया। थाना विधानसभा के अपराध क्रमांक 400/2026 में धारा 109, 3(5) बीएनएस के तहत लंबित विवेचना के दौरान लंबे समय से फरार चल रहे करण नायक को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसी तरह अपराध क्रमांक 278/2026 में धारा 296, 115, 351, 117(2), 109(1) बीएनएस के तहत दर्ज मामले में फरार चल रहे अमर नायक को भी तकनीकी जानकारी और मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

अक्टूबर में हर निर्माणाधीन स्थल पर दिखे काम

बरसात के बाद युद्धस्तर पर शुरू हो निर्माण- मुकेश कुमार बंसल

- लोक निर्माण विभाग के सचिव ने पुल-पुलियों और राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों की समीक्षा की
- नए कार्यों की निविदा प्रक्रिया नवम्बर तक पूरी कर जनवरी तक कार्यारंभ करने कहा

रायपुर/ संवाददाता

लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने बरसात के समाप्त होते ही निर्माणाधीन पुल-पुलियों और राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी निर्माणाधीन कार्यों का एक सप्ताह के भीतर ठेकेदारों के साथ स्थल निरीक्षण कर काम आगे बढ़ाने की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करते हुए बरसात के तुरंत बाद निर्माण कार्य युद्धस्तर पर शुरू करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर में सभी निर्माण स्थलों पर काम होते हुए दिखना चाहिए। श्री बंसल ने आज नवा रायपुर स्थित पीडब्ल्यूडी मुख्यालय 'निर्माण भवन' में पुल-पुलियों और राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए वर्ष 2025-26 और 2026-27 के प्राथमिकता वाले कार्यों के प्राक्कलन 20 सितम्बर तक जमा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश से क्षतिग्रस्त पुलों की मरम्मत के साथ रेलिंग और दीवारों की पेंटिंग का काम 30 नवम्बर तक पूरा करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने बैठक में सेतु परिक्षेत्र के सभी संभागों के कार्यपालन अभियंताओं को अपने-अपने संभागों में भ्रमण कर पुल-पुलियों की वास्तविक जरूरत का आकलन कर लोगों की जरूरतों के अनुरूप नए पुल-पुलियों के निर्माण के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने और क्षतिग्रस्त पुलों की स्थिति पर भी लगातार नजर रखने और जहां आवश्यकता हो, वहां नए पुलों के निर्माण के प्रस्ताव भेजने को कहा। श्री बंसल ने कार्यपालन अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं को सप्ताह में दो दिन अनिवार्य रूप से निर्माण स्थलों पर जाकर कार्यों के निरीक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण की गुणवत्ता और समय-सीमा से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने काम में लापरवाही बरतने या कार्य की गति धीमी रखने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कार्यपालन अभियंताओं और अनुविभागीय अधिकारियों को बिना अनुमति कार्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में मौजूद रहते हुए निर्माण स्थलों की समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने को कहा। श्री बंसल ने नए कार्यों की निविदा प्रक्रिया नवम्बर तक पूरी करने और जनवरी तक सभी कार्य हर हाल में शुरू करने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों को समय पर ले-आउट, ड्राइंग-डिजाइन और कार्यस्थल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यस्थलों पर आने वाली समस्याओं का तत्परता से समाधान करने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्यों की गंभीरता से मॉनिटरिंग और निरीक्षण करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने ठेकेदारों को हर महीने भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यों की भौतिक और वित्तीय प्रगति प्रभावित न हो। उन्होंने कार्य पूर्ण होने के बाद तीन माह के भीतर सभी दस्तावेजी प्रक्रिया और भुगतान पूरा कर अनुबंध क्लोज करने को कहा। श्री बंसल ने भारत सरकार के गतिशक्ति पोर्टल पर प्रदेश के सभी पुल-पुलियों की जानकारी 10 सितम्बर तक अपलोड करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने विभिन्न प्रकोष्ठों में की नियुक्तियां, चुन्नीलाल साहू बने संकुल संयोजक

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ ने संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने की दिशा में विभिन्न प्रकोष्ठों में नई नियुक्तियां की हैं। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से पार्टी ने विभिन्न प्रकोष्ठों के लिए संयोजक, सहसंयोजक और प्रभारियों की घोषणा की है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय प्रभारी डॉ. नवीन मार्कण्डेय की ओर से जारी आदेश के अनुसार चुन्नीलाल साहू को प्रकोष्ठ संकुल संयोजक तथा लाभचंद बाफ्ना को प्रकोष्ठ संकुल सहसंयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी संगठन की ओर से जारी इन नियुक्तियों को आगामी समय में प्रकोष्ठों की गतिविधियों को गति देने और संगठनात्मक कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा नेतृत्व ने विभिन्न प्रकोष्ठों को सक्रिय करते हुए उन्हें संगठन की नीतियों और सरकार की योजनाओं को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की जिम्मेदारी दी है। नई जिम्मेदारियों के साथ पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से संगठनात्मक गतिविधियों को जमीनी स्तर तक मजबूत करने की अपेक्षा की गई है।

करैत सांप ने 13 वर्षीय बच्चे को दो बार डसा, इलाज के दौरान मौत

रायपुर। जिले के कुरूद थाना क्षेत्र के ग्राम अटंग में जहरीले सांप के डसने से 13 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। बताया जा रहा है कि बच्चा रात में घर के अंदर बिस्तर पर सो रहा था, इसी दौरान कॉमन करैत सांप ने उसे दो बार डस लिया। जानकारी के अनुसार, ग्राम अटंग निवासी गिरिराज सिंह रात में अपने घर में सो रहा था। इसी दौरान बिस्तर के पास पहुंचे करैत सांप ने पहले उसके कान पर डसा। इसके बाद सांप ने उसके हाथ पर भी डस लिया। सांप के डसने के बाद बच्चे की तबीयत बिगड़ने लगी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने मौके पर ही सांप को मार दिया। इसके बाद बिना समय गंवाए बच्चे को इलाज के लिए जिला अस्पताल धमतरी ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने तत्काल उपचार शुरू किया और बच्चे को बचाने के प्रयास किए। तमाम प्रयासों के बावजूद गिरिराज की हालत में सुधार नहीं हुआ और इलाज के दौरान उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। आवश्यक प्रक्रिया और पोस्टमार्टम के बाद बच्चे का शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद परिवार में गम का माहौल है। कॉमन करैत को अत्यधिक विषैला सांप माना जाता है और यह अक्सर रात में सक्रिय रहता है।

सीएम हेल्पलाइन बनी राम जी के लिए मददगार, खाते में पहुंची 12 हजार रुपये की राशि

रायपुर। शिकायत दर्ज की और समाधान भी मिल गया। जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर की ग्राम पंचायत सांवारावा निवासी राम जी कुशवाहा के लिए सीएम हेल्पलाइन मददगार साबित हुई। व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रोत्साहन राशि नहीं मिलने की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए उनके खाते में 12 हजार रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित कर दी गई। राम जी कुशवाहा ने व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रोत्साहन राशि प्राप्त नहीं होने को लेकर विगत दिनों सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत सामने आते ही संबंधित विभाग ने प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की और पात्र हितग्राही को योजना का लाभ दिलाया। कलेक्टर मती रोक्तिमा यादव के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शिकायत का सकारात्मक निराकरण किया गया। अधिकारियों द्वारा शिकायत के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए 12 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि सीधे हितग्राही के बैंक खाते में पहुंचाई गई। कलेक्टर ने विगत दिनो सभी अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों को गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश भी दिए थे। प्रकरण से यह स्पष्ट होता है कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं शासन-प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं और उनके निराकरण की प्रक्रिया भी सुनिश्चित होती है। राम कुशवाहा को शौचालय निर्माण की प्रोत्साहन राशि मिलने से उन्हें शासन की योजना का प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ।

जिला अस्पताल जशपुर में गंभीर मरीजों का सफल उपचार, विशेषज्ञ सेवाओं से बची जान

रायपुर। जिला चिकित्सालय जशपुर में गंभीर एवं आपातकालीन मरीजों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। चिकित्सकों एवं नर्सिंग टीम की तत्परता, त्वरित चिकित्सकीय निर्णय और बेहतर समन्वय से हाल ही में दो गंभीर मरीजों का सफल उपचार किया गया। सेप्टिक शॉक की गंभीर स्थिति में पहुंची 10 वर्षीय बच्ची को जीवनरक्षक उपचार देकर स्वस्थ किया गया, वहीं एक्टोपिक प्रेग्नेंसी के गंभीर मामले में महिला का सफल ऑपरेशन कर संभावित जानलेवा जटिलताओं से बचाया गया।

विद्यार्थियों का कल्याण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हो विश्वविद्यालयों की सर्वोच्च प्राथमिकता

रोजगार एवं भविष्य की संभावनाओं वाले विषयों को प्राथमिकता-डेका..

■ निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में नैक ग्रेडिंग, पीएचडी की गुणवत्ता, पाठ्यक्रमों और सामाजिक दायित्वों की समीक्षा

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि विद्यार्थियों का कल्याण विश्वविद्यालयों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। विश्वविद्यालय शिक्षा के पवित्र मंदिर हैं, इसलिए उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।3 राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक लेकर विश्वविद्यालयों में शिक्षा एवं शोध की गुणवत्ता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को नैक में बेहतर ग्रेडिंग प्राप्त करने के लिए आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों और शिक्षकों का अनुपात संतुलित होना चाहिए तथा विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। प्रत्येक विश्वविद्यालय में कम से कम 1000 विद्यार्थियों की संख्या सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करने को कहा। डेका ने कहा कि पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने की प्रक्रिया पूरी तरह गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी होनी चाहिए। पीएच.डी. के लिए होने वाले पंजीयनों की विशेषज्ञों के माध्यम से रैंडम चेकिंग कराई जाएगी, ताकि शोध कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को केवल उपाधि प्रदान करने तक सीमित न रहकर ऐसे शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिसका समाज और देश के विकास में वास्तविक योगदान हो। राज्यपाल ने कहा कि कोई भी नया पाठ्यक्रम प्रारंभ करने से पहले विश्वविद्यालय संबंधित क्षेत्र में सर्वेक्षण कर आवश्यकता और विद्यार्थियों की रुचि का आकलन करें। जिन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संख्या नहीं है, उन्हें बंद करने पर विचार किया जाए। अनावश्यक रूप से पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ाने के बजाय रोजगार एवं भविष्य की संभावनाओं वाले विषयों को प्राथमिकता दी जाए। श्री डेका ने एनवायरनमेंटल साइंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में नए पाठ्यक्रम शुरू करने की संभावनाओं पर भी विचार करने को कहा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप इंटीग्रेटेड कोर्स को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी उन्होंने जोर दिया। श्री डेका ने सभी निजी विश्वविद्यालयों को अपने आसपास के गांवों को गोद लेकर वहां शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नियमित कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने सामाजिक दायित्वों को प्रभावी ढंग से निभाना चाहिए। गोद लिए गए गांवों में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के साथ ब्रेस्ट कैंसर सर्वे जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी विश्वविद्यालय सक्रिय भूमिका निभाएं। राज्यपाल ने विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग और ध्यान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों को प्रत्येक विद्यार्थी तक योग पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। विद्यार्थियों को योग के लिए इस प्रकार प्रेरित किया जाए।

गांजा और शराब के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार किए...

रायपुर। अवैध मादक पदार्थों और शराब के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन निश्चय के तहत तिल्दा-नेवरा पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 किलो 555 ग्राम गांजा, 86 पौवा अवैध शराब और बिक्री की नगदी बरामद की है। जब्त सामग्री की कुल कीमत 1 लाख 35 हजार 30 रुपए से अधिक बताई गई है। पुलिस के अनुसार, पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज के निर्देशन में जिले में नशीले पदार्थों और अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में तिल्दा-नेवरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एफसीआई गोदाम के पास एक महिला गांजा लेकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध महिला को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके थैले से 2 किलो 555 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 25 हजार रुपए है। आरोपी महिला की पहचान राखी देवार (40), पति तूफान देवार, निवासी वार्ड क्रमांक 15, तिल्दा के रूप में हुई। पुलिस ने उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 377/2026 के तहत धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल रायपुर भेज दिया गया। दूसरी कार्रवाई में पुलिस को वार्ड क्रमांक 15 स्थित दलाल तालाब क्षेत्र में एक महिला द्वारा अवैध शराब बिक्री किए जाने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और चुनिया देवार (20), पति युवराज देवार, निवासी देवारपारा, तिल्दा को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 86 पौवा अवैध शराब, जिसकी कीमत करीब 9,580 रुपए, बरामद हुई। इसके अलावा शराब बिक्री से प्राप्त 450 रुपए नगद भी जब्त किए गए। इस मामले में कुल 10,030 रुपए की सामग्री जब्त की गई।

आकांक्षा स्व-सहायता समूह को मिला एक लाख रुपये का ऋण

■ स्वरोजगार से मजबूत हुई महिलाओं की आर्थिक स्थिति, बच्चों की शिक्षा और घरेलू जरूरतों में भी मिल रहा लाभ

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और स्व-सहायता समूहों को आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ महिला कोष से प्राप्त ऋण ने अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मेंड्राकला निवासी श्रीमती हरमनिया देवी राजवाड़े और उनके स्व-सहायता समूह को आजीविका का नया आधार दिया है। हरमनिया देवी आकांक्षा स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि समूह की महिलाओं के सामने नियमित आय का साधन विकसित करने की चुनौती थी। समूह की बैठकों में सदस्यों से चर्चा के बाद ऐसी गतिविधि शुरू करने का निर्णय लिया गया, जिससे महिलाओं को निरंतर आमदनी का अवसर मिल सके। इसी दौरान उन्हें छत्तीसगढ़ महिला कोष से ऋण प्राप्त करने की जानकारी मिली। हरमनिया देवी ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने उन्हें छत्तीसगढ़ महिला कोष के माध्यम से मिलने वाले ऋण के बारे में जानकारी दी और आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद उन्होंने समूह की अन्य सदस्यों से चर्चा कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और ऋण के लिए आवेदन किया। आवेदन स्वीकृत होने के बाद आकांक्षा स्व-सहायता समूह को एक लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए और अधिक प्रयास जरूरी -राज्यपाल श्री रमेन डेका

उप मुख्यमंत्री ने फोन कर दी बधाई एवं शुभकामनाएं

हिमांशु देवांगन ने मेडिकल कॉलेज कवर्धा के प्रथम सत्र में लिया प्रवेश

■ 50 सीटों के साथ इसी सत्र से शुरू हुआ कवर्धा मेडिकल कॉलेज

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने कवर्धा मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने वाले जिले के प्रथम छात्र सहसपुर लोहारा निवासी श्री हिमांशु देवांगन से महानदी भवन नवा रायपुर से फोन पर बातचीत कर उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कवर्धा मेडिकल कॉलेज में इसी शैक्षणिक सत्र से 50 एमबीबीएस सीटों के साथ चिकित्सा शिक्षा की शुरुआत हो रही है और संयोग से कॉलेज के प्रथम सत्र में प्रवेश लेने वाला छात्र कवर्धा जिले का ही निवासी है। जिले के लिए यह गौरव का विषय है कि कवर्धा में चिकित्सा शिक्षा के नए अध्याय की शुरुआत जिले के ही प्रतिभावान विद्यार्थी के प्रवेश के साथ हुई है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छात्र से बातचीत के दौरान उसकी स्कूली शिक्षा, नीट परीक्षा की तैयारी और मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए हुई काउंसलिंग प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। हिमांशु ने बताया कि उसने कक्षा 12वीं में 83 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं तथा नीट परीक्षा में 512 अंक हासिल किए। नीट की तैयारी के लिए उसने भिलाई में कोचिंग भी ली। बातचीत के दौरान छात्र ने मेडिकल शिक्षा को लेकर अपनी रुचि और आगे की पढ़ाई के संबंध में भी जानकारी साझा की।

अबूझमाड़ की सुकनी बनीं मिसाल,अबूझमाड़ की सुकनी बनीं मिसाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की श्महतारी वंदन योजनाश् न केवल महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है, बल्कि ग्रामीण अंचलों में सुदूर परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने का सशक्त जरिया भी बन रही है। नारायणपुर जिले के कठिन भौगोलिक क्षेत्र अबूझमाड़ (विकासखंड ओरछा) के ग्राम कोहकामेटा की रहने वाली श्रीमती सुकनी नुरेटी ने इस योजना का रचनात्मक उपयोग कर महिला सशक्तिकरण की एक नई मिसाल पेश की है। सुकनी नुरेटी को महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली वित्तीय सहायता ने न केवल छोटी-मोटी जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि उनमें बचत की सोच भी विकसित की है। उन्होंने इस राशि का उपयोग केवल दैनिक खर्चों तक सीमित न रखकर, अपनी बेटी के सुनहरे और सुरक्षित भविष्य की नींव रखने में किया है। वे हर महीने मिलने वाली सहायता राशि में से बचत कर बेटी के नाम श्सुकन्या समृद्धि योजनाश् के खाते में नियमित रूप से पैसे जमा कर रही हैं। सुकनी नुरेटी का मानना है कि बेटी की उच्च शिक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए आज से ही योजनाबद्ध बचत बेहद जरूरी है।

मरार समाज के उत्थान के लिए समन्वित प्रयास होंगे

■ योजनाओं का लाभ अंतिम किसान तक पहुंचाएं- शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष श्री राजेंद्र नायक

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष श्री राजेंद्र नायक ने कहा है कि सरकार की प्राथमिकता कृषि एवं उद्यानिकी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े गरीब, पिछड़े, लघु और सीमांत किसानों तक पहुंचाना है। इसके लिए कृषि एवं संबद्ध विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने विशेष रूप से लघु एवं सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि यही शाकम्भरी बोर्ड के गठन का मूल उद्देश्य है। नवा रायपुर स्थित उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी संचालनालय में सोमवार को आयोजित ''छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्भरी बोर्ड के संचालक मंडल की पहली बैठक'' को संबोधित करते हुए श्री नायक ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को किसानों की आय बढ़ाने के लिए साझा कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी क्षेत्र में मरार समाज का योगदान ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण रहा है, इसलिए उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है।

---

10 हजार 130 आवास स्वीकृत, 4770 पूर्ण और 5360 आवास निर्माणाधीन

सपनों को मिला अपना आशियाना,आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता नारायणपुर

■ प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित और सम्मान जनक आवास

रायपुर/ संवाददाता

अपने घर की छांव केवल चार दीवारें या छत नहीं होती, बल्कि यह परिवार की सुरक्षा, समाज में सम्मान और एक बेहतर भविष्य का अटूट भरोसा होती है। इसी सोच को धरातल पर उतारते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने नारायणपुर जिले के ग्रामीण परिवारों के इस चिरप्रतीक्षित सपने को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इस योजना के माध्यम से पात्र ग्रामीण परिवारों को न केवल पक्के और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं, बल्कि उनके जीवन में एक अभूतपूर्व स्थायित्व, आत्मसम्मान और नए आत्मविश्वास का संचार भी हो रहा है। नारायणपुर जिले में योजना के सुचारू क्रियान्वयन के तहत कुल 10 हजार 130 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 4 हजार 770 आवासों का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष 5 हजार 360 आवास द्रुत गति से निर्माणाधीन हैं। इस पूरे अभियान के माध्यम से जिले के कुल 10 हजार 130 ग्रामीण लाभार्थी एवं परिवार सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा आवास निर्माण की गति को बढ़ाने के साथ-साथ सभी पात्र परिवारों को समय पर आवश्यक मार्गदर्शन और हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। ग्रामीण अंचल के परिवारों के लिए एक पक्का मकान महज रहने का स्थान नहीं होता, बल्कि यह उनके सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन की मजबूत आधारशिला होता है। वर्षों तक कच्चे, जर्जर और असुरक्षित मकानों में मौसम की मार झेलने वाले परिवारों को जब अपना पक्का आवास मिलता है, तो उन्हें मूसलाधार बारिश, भीषण गर्मी और अन्य प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों से स्थाई सुरक्षा मिल जाती है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित ये पक्के मकान ग्रामीणों की जिंदगी में एक नई स्थिरता ला रहे हैं। अपने आशियाने का सपना पूरा होते ही इन परिवारों में भविष्य को लेकर एक नया विश्वास जगा है, जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है। नारायणपुर जिले में योजना की प्रभावी प्रगति के फलस्वरूप अब तक 4 हजार 770 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। इन निर्माण कार्यों के पूरा होने के साथ ही वर्षों से अपने पक्के घर की आस लगाए बैठे हजारों ग्रामीणों का सपना साकार हुआ है। ?अपने नए और पक्के घर में गृह प्रवेश करना इन परिवारों के लिए केवल एक आवास पाना भर नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन की एक नई और सुनहरी शुरुआत है। इस आशियाने के साथ ही वे सामाजिक सुरक्षा, प्रतिष्ठा और स्थायित्व का अनुभव कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, तेजी से बन रहे 5 हजार 360 निर्माणाधीन आवास भी बहुत जल्द पूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे आने वाले समय में और अधिक परिवारों को सुरक्षित छत नसीब होगी। इस योजना का सकारात्मक और व्यापक प्रभाव केवल लाभार्थी परिवारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी एक नई दिशा दी है। मकान निर्माण की प्रक्रिया के दौरान स्थानीय स्तर पर राजमिस्त्रियों, मजदूरों, कारीगरों और निर्माण सामग्री के स्थानीय विक्रेताओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर जनदर्शन में 45 आवेदन प्राप्त, शीघ्र निराकरण करने अधिकारियों को दिए निर्देश

कांकेर। कलेक्टर कार्यालय में सोमवार आयोजित साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 45 आवेदकों ने अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी और अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के लिए निर्देशित किया। जनदर्शन में विभिन्न ग्रामों से पहुंचे ग्रामीणों द्वारा प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, स्कूल भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क का मरम्मत कार्य, सीसी सड़क एवं नाली निर्माण, आधार कार्ड एवं आबादी सर्वे सूची में नाम सम्मिलित करने, धान खरीदी केंद्र खुलवाने एवं किसान समृद्धि योजनांतर्गत नलकूप खनन हेतु अनुदान राशि प्रदाय करने जैसे विभिन्न प्रकार की मांगों व समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर सभी एसडीएम, जिला स्तरीय अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नगरीय निकायों के अधिकारी मौजूद थे।

भालू के हमले से ग्रामीण घायल, जेपरा गांव में देर रात हुई घटना, लहूलुहान हालत में अस्पताल में भर्ती

कांकेर। कांकेर जिले में जंगली जानवरों के हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसी क्रम में जेपरा गांव में देर रात भालू ने एक ग्रामीण पर अचानक हमला कर दिया। हमले में ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।जानकारी के अनुसार, जेपरा निवासी मिथलेश गांगेवर देर रात अपने घर के पास था, तभी अचानक भालू ने उस पर हमला कर दिया। भालू के हमले से मिथलेश बुरी तरह घायल हो गया और उसके शरीर से काफी खून बहने लगा।

ग्रामीणों ने शोर मचाकर भालू को भगाया-घटना के बाद ग्रामीणों ने आवाज सुनकर मौके पर पहुंचकर शोर मचाया, जिसके बाद भालू वहां से भाग गया। ग्रामीणों की मदद से घायल मिथलेश को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

गांव में दहशत का माहौल-भालू के हमले के बाद जेपरा गांव सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में जंगली जानवरों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, जिससे लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

वन विभाग से सुरक्षा की मांग-ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और जंगली जानवरों से ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए वन विभाग को गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए।

एग्रीस्टेक पंजीयन कार्य का कलेक्टर ने किया समीक्षा, एक सप्ताह के भीतर प्रगति लाने के निर्देश

डिजीटल क्रॉप सर्वे में विशेष सावधानी बरतने दिए निर्देश

कांकेर।कलेक्टर कुंदन कुमार ने आज जिले के सभी राजस्व अधिकारियों सहित कृषि, सहकारिता, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, जिला विपणन संघ तथा विकास कार्यों से संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर एग्रीस्टेक पंजीयन, डिजिटल क्रॉप सर्वे, स्वामित्व योजना, भू-आबंटन एवं भू-अर्जन की स्थिति सहित राजस्व प्रकरणों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की। एग्रीस्टेक पंजीयन की अनुभाग एवं तहसीलवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर लक्ष्य का 65 प्रतिशत पंजीयन पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर से पहले जिले में एग्रीस्टेक पंजीयन का कार्य शत-प्रतिशत पूरा किया जाए। इस कार्य में जनपद पंचायत एवं सहकारिता से जुड़े विभागों का सहयोग लेने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने शहरी क्षेत्रों तथा शहरों से लगे ग्रामों में विशेष सावधानी बरतने कहा, ताकि एग्रीस्टेक पंजीयन में केवल कृषि भूमि ही शामिल हो।

कलेक्टर ने डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की भी समीक्षा की और एक सप्ताह के भीतर कार्य में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सर्वे के दौरान विशेष सावधानी बरतने की हिदायत देते हुए कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे में केवल धान फसल को ही शामिल किया जाए। मक्का, सब्जी, रागी, कोदो-कुटकी आदि अन्य फसलों तथा तालाब जैसी गैर-कृषि मदों को डिजिटल क्रॉप सर्वे में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। बैठक में शासकीय योजनाओं के लिए भू-आबंटन एवं भू-अर्जन प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर कुंदन कुमार ने एकता नगर कांकेर में स्थापित होने वाले विद्युत सब स्टेशन कार्य से संबंधित भूमि आबंटन की समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। वहीं चारामा विकासखंड के लखनपुरी स्थित औद्योगिक क्षेत्र में विद्युत सब स्टेशन की स्थापना के लिए सीएसआईडीसी द्वारा विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को लीज पर आबंटित भूमि का यथाशीघ्र पंजीयन कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों से जुड़े भूमि संबंधी प्रकरणों में अनावश्यक विलंब नहीं करने तथा प्राथमिकता के साथ कार्रवाई करने कहा है।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर कांकेर जितेन्द्र कुर्रे, अंतागढ़ ए.एस.पैकरा, सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सहित खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सहकारिता, विपणन संघ, कृषि, मत्स्य पालन, विद्युत वितरण कंपनी, लोक निर्माण विभाग एवं उद्योग विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

छात्रावास के पास शराब दुकान हटाने की मांग, निकलेगा रैली

कांकेर/दुर्गूकोंदल। छात्रावास के समीप संचालित अंग्रेजी शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग को लेकर भीम आर्मी भारत एकता मिशन ब्लॉक दुर्गूकोंदल एवं क्षेत्रवासियों द्वारा 3 सितंबर को शांतिपूर्ण रैली और धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस संबंध में भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने तहसीलदार दुर्गूकोंदल को ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित आंदोलन की जानकारी दी है। भीम आर्मी के पदाधिकारियों का कहना है कि दुकान संचालित होने से विद्यार्थियों के अध्ययन के वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही क्षेत्र के युवाओं पर भी इसके नकारात्मक प्रभाव की आशंका है। इसी को लेकर संगठन ने शराब दुकान को छात्रावास से दूर अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग उठाई है।

संगठन के अनुसार 3 सितंबर को सुबह 11 बजे शांतिपूर्ण रैली दुर्गूकोंदल मुख्य चौक से शुरू होगी। रैली कोदापाखा चौक होते हुए तहसील कार्यालय पहुंचेगी। इसके बाद तहसील कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन के माध्यम से प्रशासन के समक्ष छात्रावास के समीप संचालित अंग्रेजी शराब दुकान को तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग रखी जाएगी।

भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रस्तावित आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण, अहिंसक एवं लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला उपाध्यक्ष पूनमचंद तारम, ब्लॉक अध्यक्ष ललित दुर्गा, रानू राम, कृष्णा कोर्राम एवं संतु राम सहित अन्य पदाधिकारी और क्षेत्रवासी मौजूद थे।

विधायक आशाराम नेताम ने लिया

स्वच्छता और यातायात व्यवस्था का जायजा

मस्जिद चौक एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कांकेर। कांकेर शहर में स्वच्छता व्यवस्था एवं यातायात सुरक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में विधायक आशाराम नेताम ने सोमवार को मस्जिद चौक एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक पहलुओं पर ध्यान दिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र की यातायात व्यवस्था का भी जायजा लिया। आम लोगों, राहगीरों और वाहन चालकों को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसे लेकर आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया।

सफाई व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

विधायक आशाराम नेताम ने मस्जिद चौक सहित आसपास के प्रमुख स्थानों पर पहुंचकर सड़क, सार्वजनिक स्थानों और आसपास की साफ-सफाई की स्थिति देखी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित रूप से सफाई कर्मियों की तैनाती कर स्वच्छता सुनिश्चित की जाए तथा नालियों की सफाई और कचरा उठाने की व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए।

यातायात सुरक्षा पर विशेष जोर

निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र की यातायात सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। आम लोगों, राहगीरों और वाहन चालकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसे लेकर आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया।

जनभागीदारी से बनेगा बेहतर शहर

विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुरक्षित बनाना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास स्वच्छता रखें और यातायात नियमों का पालन करें।

आशाराम नेताम, विधायक कांकेर ने कहा—

"जनता की सुविधा, स्वच्छता और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वच्छ और सुरक्षित शहर के निर्माण में नागरिकों की सहभागिता बहुत जरूरी है।"

कलेक्टर ने जिला अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

कांकेर। कलेक्टर कुंदन कुमार ने मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला चिकित्सालय कांकेर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों एवं चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लेकर मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर ने ट्रॉमा सेंटर एवं आपातकालीन कक्ष, इंचार्ज रूम, ड्यूटी डॉक्टर कक्ष, ड्रेसिंग कक्ष, प्लास्टर रूम, ओपीडी पंजीयन, सर्जरी ओपीडी, आर्थो ओपीडी, सीटी स्कैन एवं फिजियोथेरेपी कक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनके उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में चिकित्सा स्टाफ की नियमित रूप से ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए, विशेष रूप से मध्य रात्रि में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को तत्काल एवं यथोचित उपचार उपलब्ध कराने के लिए शिफ्टवार मेडिकल स्टाफ की ड्यूटी सुनिश्चित करने कहा गया, ताकि मरीजों को उपचार के लिए किसी प्रकार की परेशानी न हो। कलेक्टर ने फिजियोथेरेपी सेवाओं को शाम के समय भी संचालित करने के निर्देशित किया, ताकि मरीजों को सुविधा के अनुसार उपचार मिल सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ईको मशीन को दो दिवस के भीतर सुधारने तथा आवश्यकता होने पर रिप्लेस करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में कोई भी मशीन खराब होने पर तत्काल उसका सुधार कराया जाए। डॉक्टरों एवं चिकित्सा स्टाफको निर्धारित वेशभूषा में रहने तथा अनिवार्य रूप से नेम प्लेट लगाने के निर्देश दिए गए। अस्पताल परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, शौचालयों को स्वच्छ रखने और समस्त स्टाफको अनुशासन में रहकर कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों के साथ चिकित्सा स्टाफ का व्यवहार ही जिला अस्पताल की छवि बनाता है। मरीज अस्पताल से संतुष्ट और खुश होकर लौटें, यह सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने रेफर किए गए मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा रेफरल मरीजों का संपूर्ण विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टरकुंदन कुमार ने जिला चिकित्सालय में शिकायत पेटी रखने तथा प्रत्येक पंजीयन रजिस्टर के पास कंप्यूटर की व्यवस्था कर मरीजों का डिजिटल प्रणाली से पंजीयन करने के निर्देश अस्पताल अधीक्षक को दिए गए।

24 घंटे में बाइक चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार, जंगल से बरामद हुई मोटरसाइकिल

रात में घर के सामने से उड़ाई बाइक, तार जोड़कर बिना चाबी किया स्टार्ट; पुलिस की पूछताछ में खुला राज

कांकेर। दुर्गूकोंदल थाना क्षेत्र में घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल चोरी के मामले में पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए 18 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की मोटरसाइकिल को इरबोड़ी के घने जंगल से बरामद किया गया है।जानकारी के अनुसार ग्राम इरबोड़ी निवासी अनुपम तिवारी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 30 अगस्त की रात करीब 8 बजे उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक छत्त-19 क्क-5567 घर के सामने खड़ी की थी। अगले दिन सुबह बाइक मौके से गायब मिली। आसपास तलाश और पतासाजी के बाद भी बाइक का पता नहीं चला तो 31 अगस्त को दुर्गूकोंदल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर पुलिस को प्रिंस उईके, पिता शिवकुमार उईके, उम्र 18 वर्ष, निवासी इरबोड़ी, थाना अंतागढ़ पर संदेह हुआ। पूछताछ में आरोपी ने मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार कर लिया।

तार जोड़कर बिना चाबी स्टार्ट की बाइक-पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने 30 अगस्त की रात करीब 12 बजे मोटरसाइकिल चोरी की थी।

10 हजार की 'डील' पड़ी भारी प्रधान आरक्षक लाइन अटैच, स्टॉक में कमी बताकर वसूली का आरोप

1 हजार ऑनलाइन ट्रांसफर के बाद खुला पूरा खेल; ऑडियो और CCTV ने बढ़ाई मुश्किल

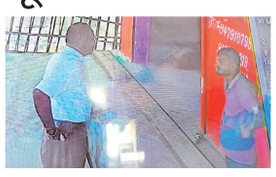

कांकेर। स्टॉक रजिस्टर में कमी बताकर खाद-बीज दुकान संचालक से 10 हजार रुपए की कथित वसूली मांगना प्रधान आरक्षक को भारी पड़ गया। दुकान सील करने की धमकी, फोन पर बातचीत का ऑडियो, सीसीटीवी फुटेज और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के सबूत सामने आने के बाद पुलिस विभाग ने बांदे थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक प्रशांत दास को लाइन अटैच कर दिया। मामला ग्राम पीवी-81 स्थित मां काली कृषि केंद्र से जुड़ा है। आरोप है कि 10 अगस्त को प्रधान आरक्षक दुकान पहुंचा और स्टॉक रजिस्टर में कमियां बताते हुए संचालक सुजय हलदार को थाने बुलाया। संचालक के थाने नहीं पहुंचने पर कथित तौर पर फोन कर दुकान सील करने की धमकी दी गई। 10 हजार मांगे, पहले पहुंच गए 1 हजार-आरोप है कि मामला रफा-दफा करने के नाम पर 10 हजार रुपए की मांग की गई। इसके बाद दुकान संचालक ने प्रधान आरक्षक के फोन-पे नंबर पर 1 हजार रुपए ट्रांसफर किए। यही ऑनलाइन ट्रांजेक्शन अब मामले में अहम डिजिटल सबूत बन गया है। घटना की शिकायत कृषि आदान संघ के पदाधिकारियों तक पहुंची तो उन्होंने सीसीटीवी फुटेज, धमकी भरी कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग और ऑनलाइन भुगतान का स्क्रीनशॉट जुटाकर पुलिस को सौंप दिया। सबूत आए सामने तो विभाग ने लिया एक्शन शिकायत और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पखांजूर राकेश कुमार कुर्रे ने प्रधान आरक्षक को लाइन अटैच कर दिया है। मामले में विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

10 लाख का गबन, पोस्ट मास्टर बर्खास्त फिर भी नहीं मिली रकम, अब थाने पहुंचा पीड़ित

कांकेरी। ग्रामीण डाक शाखा पीवी-9 में खाताधारकों की जमा पूंजी में कथित फर्जीवाड़े का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। विभागीय जांच में करीब 10 लाख रुपए के फर्जीवाड़े की पुष्टि होने और आरोपी तत्कालीन पोस्ट मास्टर के खिलाफ कार्रवाई के बावजूद पीड़ितों को उनकी रकम अब तक वापस नहीं मिल सकी है। परेशान खाताधारक अब पुलिस की शरण में पहुंच रहे हैं।ग्राम पीवी-55 निवासी शिशिर कुमार डे ने मंगलवार को पखांजूर थाने पहुंचकर तत्कालीन पोस्ट मास्टर देवराज बैसरा के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित का आरोप है कि उसके खाते से उसकी जानकारी के बिना पूरी रकम निकाल ली गई।शिशिर कुमार ने बताया कि 7 मार्च 2020 को उन्होंने अपने खाते से 2 हजार रुपए निकाले थे। इसके बाद खाते में 28,909 रुपए शेष थे। कुछ समय बाद जब दोबारा पैसे निकालने पहुंचे तो खाते का बैलेंस देखकर उनके होश उड़ गए। खाते से पूरी रकम पहले ही निकाली जा चुकी थी और बैलेंस शून्य हो गया था। पीड़ित ने तत्काल विभाग में शिकायत की। जांच के बाद आरोपी पोस्ट मास्टर को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

गांव की पगडंडी से मेडिकल कॉलेज तक पहुंचा लोकेश्वर, 4 प्रयासों के बाद पूरा किया डॉक्टर बनने का सपना

पिता को खोया, दो अंकों से चूका, लेकिन नहीं टूटा हौसला; NEET में ST कोटे में हासिल की 86वीं रैंक

कांकेर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुखदेव पातर की कर्मस्थली ग्राम भेलवापानी के साधारण परिवार से निकलकर लोकेश्वर बघेल ने अपनी मेहनत और जिद के दम पर बड़ी सफलता हासिल की है।

लगातार चार प्रयासों और करीब तीन साल के संघर्ष के बाद लोकेश्वर ने नीट यूजी-2026 में सफलता हासिल कर डॉक्टर बनने का रास्ता साफकर लिया है। उन्होंने 720 में से 412 अंक हासिल किए और छत्तीसगढ़ की एसटी कोटा मेरिट सूची में 86वीं रैंक प्राप्त की। उनका चयन सिम्स बिलासपुर में एमबीबीएस के लिए हुआ है। लोकेश्वर की सफलता की राह आसान नहीं थी। पांच साल पहले पिता के निधन के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई थी। इसके बावजूद मां, बड़े भाई और चाचा ने उनका हौसला बनाए रखा और पढ़ाई जारी रखने में सहयोग किया। लोकेश्वर ने बालक आश्रम जाड़ेकुर्से से प्राथमिक शिक्षा हासिल की। इसके बाद नवोदय विद्यालय करप से पढ़ाई की और कांकेर से 12वीं तक की शिक्षा पूरी की। वर्ष 2023 में पहली बार सीट की पात्रता मिलने के बावजूद ग्रामीण परिवेश के कारण काउंसलिंग प्रक्रिया की सही जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद उन्होंने दोबारा तैयारी शुरू की। 2024 में 10 अंकों से चूक गए। इसके बाद 2025 में भिलाई जाकर दिन-रात मेहनत की, लेकिन इस बार भी सफलता सिर्फदो अंकों से दूर रह गई। लगातार असफलताओं के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी कमियों पर काम करते रहे। आखिरकार चौथे प्रयास में उन्होंने 87.71 पर्सेंटाइल हासिल कर अपना सपना पूरा कर लिया।

पिता के बाद मां, भाई और चाचा बने सहारा

पिता के असमय निधन के बाद परिवार को संभालने में मां रसबती टोहलिया, बड़े भाई देवेंद्र बघेल और चाचा चैताराम टोहलिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आर्थिक परेशानियों के बावजूद परिवार ने लोकेश्वर की पढ़ाई रुकने नहीं दी।

अब गांव के लोगों का इलाज करना लक्ष्य

लोकेश्वर का कहना है कि ग्रामीण और सुदूर इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को उन्होंने करीब से देखा है। एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद वे ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को बेहतर इलाज और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना चाहते हैं। उनकी सफलता से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। समाज और क्षेत्रवासियों ने लोकेश्वर को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बिजली के बढ़े दाम वापस लेने और स्मार्ट मीटर हटाने की मांग को लेकर भरवाए जा रहे आवेदन

महंगी बिजली और स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का घर-घर अभियान जारी

कांकेर। बढ़ते बिजली बिल और स्मार्ट मीटर को लेकर कांग्रेस का गांव-गांव अभियान जारी है।

इसी कड़ी में जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मंडल सरोना में बैठक आयोजित कर कार्यकर्ताओं को बिजली के बढ़े दाम वापस लेने और स्मार्ट मीटर हटाने की मांग संबंधी आवेदन पत्र वितरित किए गए। कांग्रेस ने तय किया है कि बूथ एजेंट और सेक्टर प्रभारी घर-घर पहुंचकर लोगों से आवेदन भरवाएंगे और इन्हें शासन-प्रशासन को सौंपा जाएगा। ग्राम सरोना में आयोजित बैठक मंडल प्रभारी एवं जिला सचिव मुकेश राय तथा मंडल अध्यक्ष मुकेश रजक के मार्गदर्शन में हुई। बैठक में ब्लॉक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, जोन प्रभारी, सेक्टर प्रभारी और बूथ एजेंट सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान मंडल प्रभारी मुकेश राय ने कार्यकर्ताओं को आवेदन पत्र वितरित करते हुए अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने की जिम्मेदारी सौंपी।

बैठक को संबोधित करते हुए मुकेश राय ने कहा कि बढ़ती महंगाई से मध्यम वर्ग, मजदूर और किसान पहले से परेशान हैं। ऐसे में बिजली बिल में बढ़ोतरी से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में असफल रही है। साथ ही उन्होंने स्मार्ट मीटर लगाए जाने को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि लोगों की अनुमति के बिना निजी कंपनी द्वारा घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं।

घर-घर पहुंचेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

कांग्रेस पदाधिकारियों ने तय किया कि बूथ एजेंट, सेक्टर प्रभारी और अन्य कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों से बिजली के बढ़े दाम वापस लेने तथा स्मार्ट मीटर हटाने की मांग को लेकर आवेदन भरवाएंगे। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई और सभी पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में ये रहे शामिल

आयोजित बैठक में कमल धुरवा, सुखलाल शोरी, दिनेश सहारे, पृथ्वी रामटेके, फैजल मेमन, जगदेव मंडावी, हरक नेताम, जेवा मरकाम, पुष्कर साहू, ललिता शोरी, रमेश मरकाम, देवानंद मरकाम, मनोज निषाद, त्रिवेणी हिरवानी, सीमा बट्टी, प्रेम मंडावी और मानिक बट्टी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देवें अधिकारी, नशा के खिलाफजनजागरूकता अभियान रखें जारी

संभाग आयुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक

दुर्ग । संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने संभागीय कार्यालय के सभा कक्ष में विभिन्न विभागों के संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान, निर्माण कार्य, जलाशयों में पानी का भराव और प्राथमिक सहकारी समिति गठन के संबंध में जानकारी ली। संभाग आयुक्त राठौर ने कहा कि संभाग के अंतर्गत स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था बेहतर ढंग से हो, विद्यार्थियों को स्कूल से किसी प्रकार की शिकायतें न हो, व्यवस्था को बेहतर बनाने शिक्षा विभाग द्वारा हर संभव प्रयास किया जाए। उन्होंने संयुक्त संचालक शिक्षा को निर्देशित किया कि विभिन्न स्कूलों में निलंबित शिक्षकों को आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच प्रारंभ करते हुए उन्हें सेवा में पुनः बहल कर विद्यार्थियों की दर्ज संख्या के आधार पर स्कूलों में पदस्थ कर उनकी सेवाएं ली जाए। साथ ही विद्यार्थियों एवं ग्रामीणजनों के प्रति बेहतर एवं अनुशासित ढंग से व्यवहार

करने की समझाईश दी जाए।

संभाग आयुक्त ने नोडल अधिकारी उच्च शिक्षा को विभागीय समन्वय से स्कूलों एवं कालेजों में नशा के खिलाफ जनजागरूकता अभियान को जारी रखने निर्देशित किया। इस अभियान के तहत युवा वर्ग को नशे के खिलाफ सचेत किया जाए। उन्होंने सीजीएमएससी एवं निर्माण कार्य एजेंसी विभागों के स्वीकृत एवं प्रगतिरत् कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कर संबंधित विभाग को हैण्डओवर करने निर्देशित किया ताकि सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सकें। समीक्षा के दौरान क्रेडा विभाग के अधिकारी ने बताया कि संभाग अंतर्गत सौर सुजला योजना का लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। विभिन्न स्थानों में 1300 सौर लैम्प लगाये जा चुके हैं। इसी प्रकार जल संसाधन विभाग के अधिकारी ने बताया कि खपरी और मटियामोती जलाशय में जल भराव 100 प्रतिशत हो चुकी है, वहीं तांदुला, खरखरा, मोहड़ सहित अन्य जलाशयों में 80 से 85 प्रतिशत जल भराव हुआ है।

संयुक्त आयुक्त सहकारिता ने अवगत कराया कि शासन के मंशानुरूप संभाग के प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्राथमिक सहकारी समिति बनायी जा रही है। अब तक मत्स्य, दुग्ध एवं वनोपज से संबंधित 1330 नवीन समिति बनायी जा चुकी है। बैठक में उपायुक्त (राजस्व) पदुम लाल यादव एवं उपायुक्त (विकास) संतोष ठाकुर सहित समस्त विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मोर गांव मोर पानी अभियान में महिलाओं की बड़ी पहल, श्रमदान से बनाए 3360 सोख्ता गड्ढे

महिलाओं ने अपने घरों से की बदलाव की शुरुआत

- ग्रे-वाटर के सुरक्षित प्रबंधन की दिशा में दुर्ग जिले में जनभागीदारी का अनूठा उदाहरण

दुर्ग । कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रे-वाटर यानी घरेलू गंदे पानी के सुरक्षित प्रबंधन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत स्व-सहायता समूहों की महिलाओं एवं स्वच्छताग्राहियों द्वारा श्रमदान से 3360 सोख्ता गड्ढों (सोक पिट) का निर्माण किया गया है। अभियान का उद्देश्य घरों से निकलने वाले निस्तारित एवं गंदे पानी को गलियों, रास्तों और सार्वजनिक स्थानों पर खुले में बहने से रोकना है। इससे गांवों में गंदगी और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के साथ-साथ पानी के प्राकृतिक निस्तारण एवं भू-

जल पुनर्भरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रे-वाटर के सुरक्षित प्रबंधन को लेकर जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जा रही है। महिलाओं द्वारा स्वयं आगे बढ़कर अपने घरों से इस अभियान की शुरुआत करना ग्रामीण समुदाय के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। इस पहल की खास बात है कि स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने 'नेतृत्व परिवर्तन और स्वयं से शुरुआत' की प्रेरणादायक थीम के साथ अपने घरों से ही अभियान की शुरुआत की। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुरू किए गए इस अभियान को अपशिष्ट जल प्रबंधन सप्ताह के रूप में आगे बढ़ाया गया। महिलाओं ने संकल्प लिया कि यदि उनके घरों से निकलने वाला गंदा पानी खुले में बह रहा है, तो वे सबसे पहले अपने घर के आसपास सोख्ता गड्ढे का निर्माण करेंगी। इसके बाद अन्य ग्रामीण परिवारों को भी इसके लिए प्रेरित किया गया। अभियान पूरी तरह जनभागीदारी और श्रमदान पर आधारित है। स्वच्छताग्राहियों एवं स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने आपसी सहयोग से घरों के आसपास लगभग 2 से 3 फीट गहरे गड्ढे तैयार किए। इनमें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध ईट, पत्थर और कंकड़ आदि सामग्री का उपयोग किया गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में जिले ने हासिल की बेहतर प्रगति, 1 लाख 5 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में हुआ फसल बीमा

गत वर्ष की तुलना में लगभग 5 हजार हेक्टेयर की बढ़ोतरी

दुर्ग । प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत जिले में खरीफ 2026 में 1 लाख 5 हजार 181 हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों का बीमा कराया गया है। इस वर्ष की मौसमी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग द्वारा बीमा कंपनी के सहयोग से जिले की ग्राम पंचायतों में सघन फसल बीमा अभियान चलाया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम मिले है। धान सिंचित क्षेत्र में 90 हजार 247 हेक्टेयर तथा धान असिंचित क्षेत्र में 13 हजार 862 हेक्टेयर क्षेत्र का बीमा हुआ है। इसके अलावा सोयाबीन में 1 हजार 45 हेक्टेयर तथा अरहर में 27 हेक्टेयर क्षेत्र बीमित हुआ है। सघन अभियान के परिणामस्वरूप खरीफ 2026 में धान सहित विभिन्न खरीफ फसलों के बीमा क्षेत्र में गत वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। गत वर्ष लगभग 1 लाख 186 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों का बीमा हुआ था, जबकि इस वर्ष 5 हजार हेक्टेयर अधिक अतिरिक्त क्षेत्र को फसल बीमा के दायरे में लाया गया है। खरीफ 2026 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत 3 लाख 44 हजार 682 ऋणी किसान के आवेदन एवं 5 हजार 600 अऋणी किसान के आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसके माध्यम से लगभग 89 हजार 316 किसानों ने अपनी फसलों का बीमा कराया है। इन किसानों की फसलों के बीमा के लिए कुल 13 करोड़ 40 लाख रूपए प्रीमियम राशि के रूप में बीमा कंपनी को प्राप्त हुई है। कृषि विभाग द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर किए गए व्यापक प्रचार-प्रसार, किसानों से सीधे संपर्क तथा बीमा कंपनी के मैदानी अमले के समन्वित प्रयासों से किसानों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रति जागरूकता बढ़ी है। विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों और उनके फसल क्षेत्र को बीमा सुरक्षा के दायरे में लाकर प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसम से होने वाले संभावित फसल नुकसान के विरूद्ध किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है।

ओशो मित्र मंडल भिलाई-दुर्ग की नई कार्यकारिणी का गठन, संजय श्रीवास्तव लगातार दूसरी बार सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित

ओशो उपवन को मेडिटेटिव हब बनाने पर जोर, 21 सदस्यीय इनर सर्किल का भी हुआ गठन

भिलाई-3। ओशो उपवन, उम्दा रोड भिलाई-3 में 30 अगस्त 2026 को ओशो मित्र मंडल भिलाई-दुर्ग की कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया सर्वसम्मति से संपन्न हुई। चुनाव अधिकारी डॉ. विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रक्रिया में मंडल के उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से संजय श्रीवास्तव को लगातार दूसरी बार अध्यक्ष नियुक्त किया। कार्यकारिणी गठन के दौरान सदस्यों ने संगठन की आगामी गतिविधियों, ओशो उपवन के विकास तथा ध्यान एवं आध्यात्मिक गतिविधियों को और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने को लेकर भी चर्चा की। सर्वसम्मति से अध्यक्ष के चयन के बाद कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों

का भी चयन किया गया। नई कार्यकारिणी में इन्हें मिली जिम्मेदारी- ओशो मित्र मंडल भिलाई-दुर्ग की नवगठित कार्यकारिणी में– अध्यक्ष – संजय श्रीवास्तव- उपाध्यक्ष – खुशबु वर्मा- कोषाध्यक्ष – राजा जैन - सचिव – अशोक डोगरे- सहसचिव – चेतन साहू- मीडिया प्रभारी – शंकर नंदीइसके अलावा कार्यकारिणी में पांच सदस्यों को मनोनीत किया गया। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का चयन उपस्थित सदस्यों की सर्वसम्मति से किया गया। ओशो उपवन को मेडिटेटिव हब बनाने की पहल- कार्यकारिणी गठन के साथ ही बैठक में ओशो उपवन को एक बेहतर 'मेडिटेटिव हब' के रूप में विकसित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। उद्देश्य है कि ओशो उपवन में ध्यान, मेडिटेशन, आत्मचिंतन और ओशो की विचारधारा से जुड़ी गतिविधियों को नियमित एवं सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा सके। इसके साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और भविष्य की योजनाओं पर प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए 21 सदस्यीय इनर सर्किल का भी गठन किया गया।

सेमरिया की समस्या पर कलेक्टर की नजर, खबर के बाद तत्काल स्वीकृत हुए दो निर्माण कार्य

दुर्ग । जिले के जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत ग्राम सेमरिया में सड़क एवं आवागमन की समस्या को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर अभिजित सिंह ने त्वरित समाधान का आश्वासन देते हुए जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुबे ने जनपद पंचायत धमधा से आवश्यक निर्माण कार्यों का प्राक्कलन प्राप्त किया। प्राक्कलन के परीक्षण एवं निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बाद ग्राम सेमरिया में दो निर्माण कार्यों के लिए कुल 12.05 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत कार्यों में 8.48 लाख की लागत से पुल-पुलिया निर्माण तथा 3.57 लाख की लागत से मिट्टी-मुरूम सड़क निर्माण शामिल है। दोनों कार्यों के पूरा होने से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा बारिश के दौरान जल निकासी एवं सड़क संपर्क से जुड़ी समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। प्रशासनिक स्वीकृति के बाद तकनीकी सहायक, सरपंच सुदामनी साहू, रोजगार सहायक एवं पंचायत सचिव की उपस्थिति में स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य से संबंधित आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए तत्काल कार्य प्रारंभ कराने की कार्रवाई की गई। इस अवसर पर सरपंच सुदामनी साहू एवं ग्रामीण देवेन्द्र सोनी तथा बहलराम ने कार्यों की स्वीकृति एवं तत्काल कार्रवाई के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं जिला प्रशासन के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।निर्माण कार्यों को स्वीकृति मिलने और कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया शुरू होने पर ग्रामीणों में खुशी का माहौल रहा।

हथखोज की स्टील इंफा सॉल्यूशन कंपनी में प्राणांतक हादसा, जांच में मिली गंभीर सुरक्षा खामियां

दुर्ग । हथखोज स्थित मेसर्स स्टील इंफा सॉल्यूशन कंपनी लिमिटेड में 19 अगस्त 2026 को हुई प्राणांतक दुर्घटना के बाद औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा दुर्घटना स्थल का निरीक्षण कर प्राथमिक जांच की गई। हादसे में सीएनसी हेल्पर राजेश कुमार निर्मलकर (40 वर्ष) की मृत्यु हुई थी। 20 अगस्त को सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, दुर्ग के साथ विभागीय अधिकारियों ने कारखाना पहुंचकर दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कारखाना प्रबंधन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्राथमिक जांच में कारखाना प्रबंधन की ओर से कई गंभीर सुरक्षा खामियां सामने आई। जांच में पाया गया कि क्रेन का संचालन सक्षम एवं अधिकृत व्यक्ति से कराने के बजाय अनस्किल्ड वर्कर से कराया जा रहा था। क्रेन के संचालन, रखरखाव, पर्यवेक्षण एवं प्रशिक्षण में निर्धारित सुरक्षा नियमों और प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। जांच में यह भी पाया गया कि आई-बीम, क्रेन की चेन एवं अन्य संबंधित उपकरणों का उचित रखरखाव और नियमित निरीक्षण नहीं किया गया था। क्रेन की चेन में लगे हुक में आवश्यक सेफ्टी लैच/सेफ्टी कैच भी उपलब्ध नहीं पाया गया, जिससे भार के अनियंत्रित रूप से निकलने की संभावना बनी हुई थी। जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि 24 जनवरी 2026 को इसी कारखाने में ईओटी क्रेन संचालन के दौरान एक अन्य प्राणांतक दुर्घटना घटित हुई थी। इस मामले में कार्यालय द्वारा न्यायालय में अभियोजन प्रस्तुत किया गया था। इसके बावजूद क्रेन संचालन एवं रखरखाव में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाना गंभीर विषय पाया गया। विभागीय जांच में क्रेन संचालन के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर, श्रमिकों के प्रशिक्षण, पर्यवेक्षण, निरीक्षण एवं सुरक्षा उपकरणों की जांच-परीक्षण व्यवस्था में भी कमियां पाई गई।उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा एवं कारखाना निरीक्षक से प्राप्त जानकारी अनुसार श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाओं को ध्यान में रखते हुए उपजीविका जन्य सुरक्षा।

राधिका नगर में निगम की चालानी कार्रवाई, नियमों का उल्लंघन करने वालों से 8,700 वसूले

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार जोन क्रमांक-01, वार्ड क्रमांक-07 राधिका नगर क्षेत्र में स्वच्छता एवं नगर निगम के नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गीला एवं सूखा कचरा पृथक नहीं रखने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने, डस्टबिन नहीं रखने, अनुज्ञप्ति लाइसेंस संबंधी नियमों का पालन नहीं करने तथा नाली में अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान सत्यम चाय नाश्ता से सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 700, शाह बुद्धिन किराना स्टोर से ?400, कुसुम जनरल स्टोर से 500 तथा अनिल इडली डोसा सेंटर से 500 का जुर्माना वसूला गया।

वहीं बार्बर हेयर कटिंग एवं अनिल डोसा सेंटर में डस्टबिन नहीं पाए जाने पर क्रमशः 400 एवं 200 की चालानी कार्रवाई की गई। इसके अलावा सांझ रेस्टोरेंट से अनुज्ञप्ति लाइसेंस संबंधी कार्रवाई के तहत 5,000 तथा सुशील मुखर्जी से नाली में अतिक्रमण पाए जाने पर 1,000 का जुर्माना वसूला गया। इस प्रकार निगम की टीम द्वारा कुल 8,700 की राशि जुर्माने के रूप में वसूल की गई।

निगम प्रशासन ने नागरिकों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि गीले एवं सूखे कचरे को अलग.अलग रखें, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें, प्रतिष्ठान में डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखें तथा निगम के नियमों का पालन करें। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी।

तहसील साहू संघ पाटन का तीज महोत्सव 6 सितंबर को, महिलाओं के लिए होंगे विविध आयोजन

- महिला आयोग अध्यक्ष सहित प्रदेश और जिला स्तर के जनप्रतिनिधि सहित सामाजिक पदाधिकारी होंगे शामिल

पाटन। तहसील साहू संघ पाटन के संयोजन में महिला प्रकोष्ठ द्वारा पंचम वर्ष का तहसील स्तरीय तीज महोत्सव 6 सितंबर 2026, रविवार को साहू सदन पाटन में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज की मातृशक्ति सहित उनके परिवारों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे भक्त माता कर्मा की आरती-पूजा से होगी। इसके पश्चात सुबह 10:30 बजे तीज उत्सव का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, फुगड़ी प्रतियोगिता, कर्मा माता की रंगोली से चित्रकला प्रतियोगिता, व्यंजन की बघिया, समूह नृत्य, नाट्य प्रदर्शन एवं तीज क्वीन प्रतियोगिता सहित विभिन्न मनोरंजक एवं सांस्कृतिक आयोजन होंगे। दोपहर 1 बजे अतिथियों का आगमन, स्वागत

एवं उद्बोधन होगा। शाम 5 बजे पुरस्कार वितरण एवं कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. ममता साहू, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग, छत्तीसगढ़ शासन होंगी। प्रमुख अतिथि रमशीला साहू, पूर्व कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन, जबकि विशिष्ट अतिथि नंदलाल साहू, अध्यक्ष जिला साहू संघ दुर्ग होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिव्या कलिहारी, संयोजिका महिला प्रकोष्ठ, प्रदेश साहू संघ करेंगी। इसके अलावा कार्यक्रम में अतिथि वक्ता शिल्पा साहू, सहसंयोजिका महिला प्रकोष्ठ, प्रदेश साहू संघ तथा विशेष अतिथि कल्पना नारद साहू, सभापति जिला पंचायत दुर्ग, चंद्रिका साहू प्रदेश कार्यकारणी सदस्य, मंजू साहू उपाध्यक्ष जिला साहू संघ दुर्ग, ललेश्वरी साहू संयोजिका जिला साहू संघ दुर्ग, दामिनी राकेश साहू जनपद सदस्य सहित समाज के विभिन्न पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। तहसील साहू संघ पाटन के अध्यक्ष लालेश्वर साहू, कार्यकारणी अध्यक्ष दिनेश साहू, उपाध्यक्ष डूलेश्वर साहू, विमला साहू,संगठन सचिव सुरेंद्र साहू, भूनेश्वरी, महासचिव महेंद्र साहू, कोषाध्यक्ष गुमान साहू, महिला संयोजिका कोमिन साहू, युवा प्रकोष्ठ संयोजक डीजेंद्र साहू, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष गण गायत्री साहू, टेस राम साहू, रामनारायण साहू, पारखत साहू, किशन हिरवानी सहित अन्य पदाधिकारियों ने समाज की मातृशक्ति एवं परिवारजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर तीज महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

न्यायिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

भिलाई-3 में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय तथा परिवार न्यायालय कैम्प कोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन

दुर्ग। नागरिकों के निकट न्याय को पहुंचाने तथा न्यायिक सुविधाओं का विस्तार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में आज भिलाई-3 में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय तथा परिवार न्यायालय (कैम्प कोर्ट-अतिरिक्त बैठक) का वर्चुअल उद्घाटन किया गया। माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर ने माननीय श्री न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी, पोर्टफोलियो न्यायाधीश, जिला दुर्ग की गरिमामयी उपस्थिति में भिलाई-3 स्थित जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय तथा परिवार न्यायालय (कैम्प कोर्ट-अतिरिक्त बैठक), जिला दुर्ग का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह उद्घाटन भिलाई-3 क्षेत्र में न्यायिक सेवाओं की उपलब्धता को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय तथा परिवार न्यायालय कैम्प

कोर्ट-अतिरिक्त बैठक के प्रारंभ होने से क्षेत्र के नागरिकों को न्यायिक कार्यवाहियों के लिए अधिक सुविधाजनक एवं निकटस्थ न्यायिक मंच उपलब्ध होगा। उद्घाटन तत्पश्चात् माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति ने अपने उद्बोधन में न्यायिक सेवाओं के विस्तार से जोड़ते हुए अपने विचार व्यक्त किए। भिलाई-3 में न्यायिक सुविधाओं का यह विस्तार न्याय वितरण प्रणाली में सुगमता, पहुंच एवं नागरिक-केंद्रित न्याय की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक कदम है। विशेष रूप से, परिवार न्यायालय कैम्प कोर्टदृअतिरिक्त बैठक के प्रारंभ होने से पारिवारिक विवादों से संबंधित मामलों में संलग्न पक्षकारों को स्थानीय स्तर पर न्यायिक सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।कार्यक्रम का शुभारंभ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गणमान्य अतिथियों के आगमन के साथ हुआ। तत्पश्चात श्री के. विनोद कुजूर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि भिलाई-तीन एक महत्वपूर्ण एवं तीव्र गति से विकसित हो रहा क्षेत्र है, जहां बढ़ती हुई जनसंख्या तथा विविध प्रकार की विधिक आवश्यकताएं हैं। समर्पित न्यायालयों की स्थापना के पीछे की परिकल्पना एवं मार्गदर्शक विचार माननीय मुख्य न्यायाधिपति के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन से अत्यधिक प्रेरित रहे हैं। अतः भिलाई-तीन में न्यायालयों की स्थापना, अधिक सुगम, उत्तरदायी एवं नागरिक-केंद्रित न्याय वितरण प्रणाली के संबंध में माननीय मुख्य न्यायाधिपति महोदय की परिकल्पना का प्रतिबिंब है।

वर्चुअल उद्घाटन के तत्काल पश्चात् भिलाई-3 में प्रारंभ किए जा रहे जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय तथा परिवार न्यायालय (कैम्प कोर्ट-अतिरिक्त बैठक) से संबंधित एक संक्षिप्त वीडियो प्रदर्शित किया गया। वीडियो के माध्यम से प्रस्तावित न्यायिक सुविधा तथा उसकी प्रकृति की एक झलक उपस्थितजनों के समक्ष प्रस्तुत की गई। यह प्रस्तुति केवल एक नई न्यायिक सुविधा के संबंध में जानकारी मात्र नहीं थी, बल्कि यह न्याय वितरण प्रणाली को लोगों के और अधिक निकट लाने की दिशा में एक नई शुरुआत का दृश्यात्मक परिचय भी बनी। कार्यक्रम के अंत में, श्रीमती सुमन एक्का, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, दुर्ग ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने माननीय मुख्य न्यायाधिपति, न्यायिक अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी संबंधित व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि भिलाई-3 में इस नवीन न्यायिक सुविधा का प्रारंभ ÷न्याय को लोगों के और निकट लाने÷ की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल न केवल न्यायिक अधोसंरचना के विस्तार को प्रतिबिंबित करती है, बल्कि बदलते समय के अनुरूप एक सुचारु, सुगम एवं नागरिक-केंद्रित न्याय वितरण प्रणाली के प्रति प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है।

जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 11 सितम्बर को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग एवं शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में 11 सितम्बर 2026 को शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दुर्ग में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। उप संचालक रोजगार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार इस मेले हेतु निजी क्षेत्र के नियोजक जो अपने संस्थान में रिक्त पदों को इस रोजगार मेला के माध्यम से भरना चाहते हैं, वे 09 सितम्बर 2026 तक रिक्त पदों की जानकारी छत्तीसगढ़ रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से जिला रोजगार कार्यालय दुर्ग को अधिसूचित करेंगे। छत्तीसगढ़ रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से रिक्तियाँ प्रेषित करने के लिए नियोजकों का पोर्टल पर रोजगार मेला हेतु नियोक्त पंजीयन कराना अनिवार्य होगा जिसके लिए नियोक्ता का जीएसटी क्रमांक एवं डॉक्यूमेंट अपलोड करना आवश्यक होगा।

जिले में देशी/विदेशी मदिरा अहाता अनुज्ञप्तियों हेतु ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया प्रारंभ

दुर्ग । ज़िले के देशी/विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों से संलग्न अहाता समूह क्रमांक 18 दादर (चरोदा) में संलग्न सी.एस.-2 (ग-कम्पोजिट अहाता) दादर (चरोदा) एवं अहाता समूह क्रमांक 36 कुगदा कुम्हारी में संलग्न सी.एस.-2 (ग-कम्पोजिट अहाता) कुगदा कुम्हारी के लिये वर्ष 2026-27 के शेष अवधि हेतु ÷पहले आओ पहले पाओ÷ नीति के अंतर्गत ऑनलाईन निविदा के माध्यम से पुनर्व्यवस्थापन किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 7000489995